दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मानसून सत्र का एलान

27 जून से शुरू होगा सत्र, 28 जून को पेश होगा अनुपूरक बजट

नितिन तोरस्कर | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य के विधानमंडल का मानसून सत्र मुंबई में 27 जून से शुरू होगा। 2 जुलाई तक चलने वाले इसी मानसून सत्र में राज्य का अनुपूरक बजट 28 जून को विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश किया जायेगा। इस बीच, उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार इस सत्र में 28 जून को राज्य का अतिरिक्त बजट पेश करेंगे। यह निर्णय लिया गया कि 29 जून, शनिवार को सार्वजनिक अवकाश के रूप में विधानमंडल का काम जारी रहेगा।

बीएसी की बैठक में लिया गया फैसला

यह निर्णय शुक्रवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में लिया गया। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, विधान परिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोरे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि जिरवल, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, सहित कार्य सलाहकार समिति के सदस्य, विधान सचिव जीतेन्द्र भोले एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने वीडियो संचार प्रणाली के माध्यम से बैठक में भाग लिया था। इस बैठक में मानसून सत्र तेरह दिनों तक चलाए जाने और शनिवार 29 जून को सार्वजनिक अवकाश के दिन विधानमंडल का कामकाज जारी रखने का निर्णय लिया गया।

महाराष्ट्र में 4 विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले विधानपरिषद के लिए भी चुनाव होने हैं। राज्य में 4 विधान परिषद सीटों के लिए 26 जून को वोटिंग होगी और चुनाव परिणाम 1 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र की 4 विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव जिसमें 2 स्नातक और 2 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर होने जा रहा है। पहले इस चुनाव के लिए 10 जून की तारीख घोषित की गई थी लेकिन शिक्षकों के अनुरोध पर इसमें बदलाव किया गया था।

पेश होगी ऑडिट रिपोर्ट : सत्र के पहले दिन विधानमंडल के दोनों सदनों में राज्य की अनुपूरक मांगें और वित्तीय ऑडिट रिपोर्ट पेश की जायेगी। महागठबंधन में बीजेपी को कम सीटें मिलने से इस सत्र में विपक्ष को टिके रहने का मौका मिलेगा। महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान आक्रामक बीजेपी सरकार को ठप्प कर रही थी। इस बार राज्य में सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली कांग्रेस लोकसभा चुनाव में आक्रामक मुद्रा में होगी। कांग्रेस, राष्ट्रवादी का शरद पवार समूह और शिवसेना का ठाकरे समूह एकमत होकर लड़ेंगे। ऐसे में कहा जा रहा है कि यह एकता विधानमंडल सत्र में भी देखने को मिलेगी।

दायित्वनामा

इस विरोध से शहर शर्मिंदा है!

कहते हैं शहर ने इंसान को बेहतर करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है, ये शहर है जिसने भेदभाव मिटा कर इंसानियत को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। पर शुक्रवार को एक भयावह मामला सामने आया है। जब वडोदरा में मुस्लिम महिला को फ्लैट दिए जाने का लोग खुलेआम विरोध करने लगे। लोगों ने इस विरोध प्रदर्शन में बच्चों को भी शामिल कर दिया है। लोगों का कहना है कि इस सोसायटी में 461 हिन्दू परिवार रहते हैं। हमें दूसरे धर्म के लोग स्वीकार नहीं हैं। यूं तो भारतीय गांवों में विविध समुदायों की अलग-अलग बस्तियां रहीं हैं, पर शहर ने किसी भी तरह का भेदभाव करने से इंकार कर दिया। यहां सभी को बढ़ने का समान अवसर दिया गया। गांव अपनी पुरातन बातों के चलते पीछे रह गए। शहर ने गांव के कमजोरों को भी बराबर का सम्मान दिया। यही कारण था कि गांव के गांव शहरों में आ बसे।

अरुण लाल

गुजरात के वडोदरा शहर के हरणी के एक रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में लोगों ने मुस्लिम महिला को फ्लैट देने का जोरदार विरोध किया। मामला मोटनाथ रेजीडेंसी कोऑपरेटिव हाउसिंग सर्विसेज सोसाइटी लिमिटेड का है। यहां रहने वाले 33 लोगों ने कलेक्टर को आवेदन देकर महिला को कहीं और शिफ्ट करने के लिए कहा है। लोगों का कहना है कि यदि यह महिला यहां पर रहती है तो यहां कानून व्यवस्था नहीं बचेगी। शहर में पहली बार हुए इस भेदभाव से शहर को शर्मिंदा होना पड़ा है।

देखने में यह सामान्य सी सामाजिक बात लगती है कि एक कम्युनिटी के लोग दूसरे के साथ रहने में असहजता महसूस कर रहे हैं। पर वास्तव में यह किसी भी राष्ट्र के लिए भयंकर मामला है कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जहां दूसरे धर्म के लोगों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। आधुनिकता के घोड़े पर सवार 21वीं सदी का मानव कंदराओं के समय से भी पीछे चला जा रहा है। भारत के इतिहास में यह पहली बार होगा जब एक कम्युनिटी की एक महिला को सोसायटी में न रहने देने के लिए लोग सड़क पर आकर विरोध कर रहे हैं। और विरोध भी ऐसा कि उन्होंने अपने साथ बच्चों को भी इसमें शामिल कर लिया है। यह न केवल भारतीय संविधान में वर्णित समानता के अधिकार का हनन है, बल्कि यह विरोध भारतीय समाज व्यवस्था को गलत मार्ग पर ले जाने का पहला कदम है। यहां मामला सरकारी है, जहां विविध इलाकों से आए लोग हैं, जो एक दूसरे समुदाय की महिला के सोसायटी में रहने को कठिन बनाने के लिए सड़क पर उतर आए हैं। सोचने वाली बात यह है कि शहर जो आधुनिकता का पर्याय माने जाते हैं, वहां एक समुदाय के लोगों के साथ रहने से इंकार करने वाली मानसिकता के साथ हम कैसे आधुनिक भारत का निर्माण करेंगे। यह दुनिया ग्लोबल हो रही है, ऐसे में हम यदि इस तरह का विरोध करते हैं, तो दुनिया में भारत की क्या छवि बनेगी। क्या किसी राष्ट्र के लिए यह घातक बात नहीं है कि यहां के लोग मिल- जुलकर रहने से इंकार कर दें।

मैं समझता हूं गांधी की जन्मभूमि से उठा यह मामला बहुत ही संवेदनशील तरीके से हैंडल किया जाना चाहिए। ऐसे मामले में राजनेताओं का दायित्व बनता है कि वे सामने आकर इस विरोध को रोकें। हम सभी को एक साथ मिलकर ऐसी मानसिकता को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। अब सरकार या समाज चाहे जो भी निर्णय ले लेकिनशहर इस घटना से बेहद शर्मिंदा है, और वह समझता है कि यह घटना उसके शहर होने की विशेषता पर एक दाग जैसा रहेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

हटाया गया म्हाडा की जमीन पर अनधिकृत विज्ञापन होर्डिंग

दीपक पवार/मुंबई। म्हाडा मुंबई मंडल और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने आज जुहू विलेपार्ले स्थित शुभ जीवन सहकारी गृहनिर्माण संस्था के परिसर में लगे अनधिकृत विज्ञापन होर्डिंग को हटा दिया है। घाटकोपर में विज्ञापन होर्डिंग के गिरने से हुई दुर्घटना के बाद मुंबई में अनधिकृत विज्ञापन होर्डिंग का मुद्दा प्रमुखता से उठा। मुख्यमंत्री . एकनाथ शिंदे ने आदेश दिया कि अनधिकृत होर्डिंग लगाने वालों के खिलाफ सीधे मामले दर्ज किए जाएं और जहां भी अनधिकृत होर्डिंग दिखे, उन्हें तुरंत हटाया जाए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद म्हाडा के उपाध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी. संजीव जयस्वाल ने म्हाडा की जमीन पर लगे विज्ञापन होर्डिंग का निरीक्षण किया और सभी अनधिकृत होर्डिंग को तुरंत हटाने का निर्देश दिया।

जुल्फिकार अली समेत 4 की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुणे आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल के कथित मास्टरमाइंड जुल्फिकार अली बड़ौदावाला समेत 4 आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज दी। अदालत ने कहा कि यह मामला काफी गंभीर है। इस मामले में डिफॉल्ट जमानत नहीं दी जा सकती है। आरोपियों ने अपनी याचिका में विशेष अदालत के पिछले साल 30 अक्टूबर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को 90 दिन के बाद आरोप पत्र दाखिल को चुनौती देते हुए डिफॉल्ट जमानत का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजुशा अजय देशपांडे की खंडपीठ के समक्ष जुल्फिकार अली, कादिर दस्तगीर पठान, आकिफ अतीक नचान और अदनान अली सरकार की दायर डिफॉल्ट जमानत याचिका पर सुनवाई हुई।

सर्राफा

चांदी (.999)	90,500
सोना स्टैंडर्ड	71,840

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	29.0-23.0	79%

सूर्यास्त शनिवार 07:16 बजे
सूर्योदय रविवार 06:00 बजे

अब्दुल सत्तार को कैबिनेट से हटाने की मांग

बीजेपी की सिल्लोड नगर इकाई के अध्यक्ष कमलेश कटारिया ने प्रदेश अध्यक्ष को लिखा पत्र

▸▸ अब्दुल सत्तार पर लोकसभा चुनाव में रावसाहब दानवे के खिलाफ काम करने का आरोप

धीरज सिंह | मुंबई\छत्रपति संभाजीनगर

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के एक नेता ने महाराष्ट्र के मंत्री अब्दुल सत्तार को निष्कासित करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब्दुल सत्तार ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में जालना सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन किया था। पार्टी की सिल्लोड नगर इकाई के प्रमुख कमलेश कटारिया ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि शिवसेना नेता सत्तार और उनके समर्थकों ने कांग्रेस उम्मीदवार कल्याण काले की मदद की।

जालना से हार गए थे राव साहेब दानवे

दरअसल कल्याण काले ने जालना में पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे को एक लाख से अधिक वोटों से हराया। कल्याण काले को कुल 607897 वोट मिले जबकि राव साहेब दानवे को 497939 वोट से संतोष करना पड़ा था। इस तरह राव साहेब दानवे एक लाख 9 हजार 958 वोट से चुनाव हार गए थे। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ 'महायुति' में बीजेपी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार नीत एनसीपी शामिल हैं।

अब्दुल सत्तार पर लगाया ये आरोप

बीजेपी नेता कमलेश कटारिया ने दावा किया कि राज्य विधानसभा में सिल्लोड का प्रतिनिधित्व करने वाले अब्दुल सत्तार ने अपने क्षेत्र में (बीजेपी उम्मीदवार के) खिलाफ काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तार सिल्लोड में बीजेपी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं और बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। बीजेपी कार्यकर्ता सत्तार और उनके समर्थकों से नाराज बीजेपी नेता ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सत्तार और उनके समर्थकों से नाराज हैं। कटारिया ने अपने पत्र में लिखा कि हमने अब तक पार्टी की खातिर इसे बर्दाश्त किया है। इस पर कोई फैसला लिया जाना चाहिए और मंत्री को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से हटा दिया जाना चाहिए।

नागपुर बारूद फैक्ट्री विस्फोट मामला

गिरफ्तारी के चंद घंटे बाद डायरेक्टर और मैनेजर को मिली जमानत

एजेंसी | नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में गुरुवार को बारूद बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट होने से पांच महिलाओं समेत छह मजदूरों की मौत हो गई। इस मामले में शुक्रवार को फैक्ट्री के डायरेक्टर और उसके मैनेजर को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, दोनों को चंद घंटों में ही जमानत मिल गई। एक अधिकारी ने कहा कि 'चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड' के डायरेक्टर जय शिवशंकर खेमका (49) और

कारखाने के मैनेजर सागर देशमुख को गिरफ्तार कर उन्हें आज यहां एक अदालत में पेश किया गया। हिंगना के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) ने उन्हें 50-50 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी। यह कारखाना नागपुर शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर हिंगना थाना क्षेत्र के धमना गांव में है।

अरुंधति रॉय के खिलाफ UAPA के तहत चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। लेखिका अरुंधित रॉय और कश्मीर के पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ यूएपीए के तहत चलेगा मुकदमा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर के एक पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ वर्ष 2010 में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के मामले में कठोर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

अदालत के आदेश के बाद हुई थी FIR

राज निवास के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, नई दिल्ली की अदालत के आदेश के बाद FIR दर्ज की गई थी। रॉय और हुसैन की तरफ से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'चुनावों में चुकाई प्याज के किसानों की नाराजगी की कीमत'

मुनीब चौरसिया | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने माना है कि प्याज किसानों के बीच असंतोष की वजह से हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ महायुति को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। पवार ने शुक्रवार को सार्वजनिक तौर पर माना कि प्याज के किसानों के गुस्से की वजह से चुनाव में प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ शिवसेना-बीजेपी-एनसीपी गठबंधन को राज्य के प्याज उत्पादक क्षेत्र में किसानों के बीच असंतोष की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। इसमें नासिक भी शामिल है जहां सत्तारूढ़ गठबंधन ने चुनावों में खराब प्रदर्शन किया।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने माना सच

सीएम शिंदे के सुर में सुर : पवार का यह बयान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान के तीन दिन बाद आया है। शिंदे ने भी माना था कि कृषि संकट की वजह से महायुति गठबंधन को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा था, 'प्याज ने नासिक में हमें रुलाया, सोयाबीन और कपास ने मराठवाड़ा और विदर्भ में हुए चुनावों में हमें रुलाया।' पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि वे लगातार प्याज के लिए समर्थन मूल्य की जरूरत के बारे में बोल रहे थे। उनका कहना था कि किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।

बीजेपी के लिए बुरे रहे नतीजे : पवार ने कहा कि महायुति को जलगांव और रावेर को छोड़कर प्याज उत्पादक क्षेत्र की सभी लोकसभा सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल दिसंबर में खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसकी वजह से किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया और नासिक क्षेत्र में यह प्रदर्शन काफी तेज थे। मई की शुरुआत में प्रतिबंध हटा लिए गए थे।

खुलासा | कई राज्यों में कम वोट मिलने के बावजूद सीट बढ़ाने में सफल रही कांग्रेस, वोट प्रतिशत में कमी से कई राज्यों में पार्टी को नुकसान

बेहतर प्रदर्शन के बावजूद कई राज्यों में कांग्रेस का वोट प्रतिशत घटा

अमित बृज नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पार्टी ने करीब दो फीसदी वोट की वृद्धि के साथ अपनी सीट में भी इजाफा किया है, वहीं कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पार्टी का प्रदर्शन कमजोर भी रहा है। इन राज्यों में पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले कम वोट मिले हैं। हालांकि, कम वोट मिलने के बावजूद पार्टी तमिलनाडु व गुजरात में अपनी सीट बढ़ाने में सफल रही है। वहीं, कुछ राज्यों में वोट प्रतिशत कम होने की वजह से पार्टी को सीटें गंवानी भी पड़ी है।

दिल्ली में चार प्रतिशत गिरा वोट प्रतिशत

राजधानी दिल्ली में भी कांग्रेस को नुकसान हुआ है। 2019 और 2024 के आम चुनाव में पार्टी को कोई सीट नहीं मिली, पर इस बार पार्टी के वोट प्रतिशत में करीब चार प्रतिशत की गिरावट आई है। इस चुनाव में पार्टी को 18.91 फीसदी वोट मिले, जबकि 2019 में 22.51 प्रतिशत वोट मिले थे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को दो फीसदी वोट के साथ एक सीट का नुकसान हुआ है। इस बार पार्टी को 32.5 फीसदी वोट मिले, जबकि 2019 में पार्टी को साढ़े 34.5 प्रतिशत वोट मिले थे।

पंजाब में हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

आम चुनाव में कांग्रेस ने अपने वोट प्रतिशत में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि के साथ 47 सीटें जरूर बढ़ाई, लेकिन पंजाब, मध्य प्रदेश और केरल सहित कई राज्यों में वोट प्रतिशत कम होने की वजह से छह सीट का नुकसान भी हुआ है। पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान पंजाब में हुआ है। पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के वोट प्रतिशत में करीब 14 प्रतिशत की कमी आई है। इसके साथ ही पार्टी को एक सीट का नुकसान भी हुआ है। वर्ष 2019 में पार्टी ने 40 प्रतिशत वोट के साथ आठ सीट जीती थी, इस बार पार्टी 26 फीसदी वोट के साथ सात सीट ही जीत पाई।

केरल में दो फीसदी वोट के साथ एक सीट का नुकसान : केरल में भी पार्टी का वोट प्रतिशत दो फीसदी कम हुआ है। साथ ही पार्टी को एक सीट का नुकसान भी उठाना पड़ा। पिछले चुनाव में पार्टी को 37 फीसदी वोट मिला था, जबकि इस बार 35 प्रतिशत वोट मिला है। तमिलनाडु में पार्टी लोकसभा चुनाव में अपनी एक सीट बढ़ाने में सफल रही, पर उसके वोट प्रतिशत में लगभग दो फीसदी की कमी आई है। इसी तरह गुजरात में भी पार्टी के वोट प्रतिशत में गिरावट के बावजूद एक सीट जीतने में सफल रही। गुजरात में पार्टी को इस बार पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले लगभग एक प्रतिशत कम वोट मिले हैं। पश्चिम बंगाल में भी पार्टी को एक फीसदी वोट के साथ एक सीट का नुकसान हुआ है।

इन राज्यों में पार्टी का कमजोर प्रदर्शन

जिन प्रदेशों में पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा, उनमें ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा, गोवा, अंडमान-निकोबार, दमन-दीव और जम्मू कश्मीर शामिल हैं। हालांकि, जम्मू कश्मीर में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के घटकदल के तौर पर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था।

इस चुनाव और पिछले चुनाव में वोट प्रतिशत

राज्य	2019	2024
दिल्ली	22.51	18.91
पश्चिम बंगाल	05.67	04.68
तमिलनाडु	12.72	10.67
गुजरात	32.11	31.24
मध्य प्रदेश	34.50	32.44
केरल	37.46	35.06
ओडिशा	13.40	12.52
पंजाब	40.12	26.30
सिक्किम	00.90	00.60
त्रिपुरा	26.60	11.49
गोवा	42.92	39.71
अंडमान	45.98	38.53
दमन दीव	31.62	25.09
जम्मू कश्मीर	28.50	19.38

श्मशान में मधुमक्खियों का हमला

ग्रामीणों को पीपीई किट पहनकर करना पड़ा अंतिम संस्कार

दोपहर संवाददाता । सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। जिले के वैभववाड़ी तालुक के तिथावली गांव में मधुमक्खियों ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। अचानक हुए मधुमक्खियों के इस हमले में कई ग्रामीण घायल हो गए। दरअसल गांव में एक बुजुर्ग की मृत्यु के बाद परिजन उनका अंतिम संस्कार करने पहुंचे थे। तभी शमशान में मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। आलम यह था कि मधुमक्खियां चिता पर बैठ गईं। इसके चलते परिजनों को पीपीई किट पहनकर बुजुर्ग का अंतिम संस्कार करना पड़ा।

कहां की है घटना?

मिली जानकारी के मुताबिक, श्मशान में शवों का अंतिम संस्कार करने के दौरान अचानक मधुमक्खियों के हमले में कई लोग घायल हो गए। घटना गुरुवार सुबह तिथावली गांव में हुई। आखिरकार दो घंटे बाद पीपीई किट पहनकर शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना से वैभववाड़ी तालुक में सनसनी मच गई। तिथावली महमदवाडी के किसान पांडुरंग कृष्ण हरियान (70) की बुधवार रात को वृद्धावस्था में मृत्यु हो गई। गुरुवार की सुबह 10 .30 बजे लोग शव को दाह संस्कार के लिए घर से बाहर ले गए।

कब हुआ हमला?

इस अवसर पर लगभग 60 से 70 ग्रामीण उपस्थित थे। अनुष्ठान चल रहा था इसलिए शव को श्मशान के पास रखा गया था। कुछ ग्रामीण श्मशान में सूखी लकड़ी जलाकर धुआं कर रहे थे। श्मशान के बगल में पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता था। जैसे ही धुआं मधुमक्खी के छत्ते की ओर गया। मधुमक्खियां आक्रामक हो गईं। उन्होंने श्मशान में मौजूद ग्रामीणों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में ग्रामीण भाग खड़े हुए। मधुमक्खियों ने कई लोगों को घायल कर दिया। शव पर काफी देर तक मधुमक्खियां भिनभिनाती रहीं।

घायल लोग अस्पताल में भर्ती

मधुमक्खियों के हमले से घायल हुए कुछ ग्रामीणों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका उचित इलाज चल रहा है। पहले भी इसी तरह मधुमक्खियों के हमले में ग्रामीण घायल हो चुके हैं। कुछ की मौत भी हो चुकी है। इसलिए ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि इन मधुमक्खियों से सरकारी स्तर पर निपटा जाए।

कैसे हुआ दाह संस्कार?

ऐसे में ग्रामीणों के सामने यह सवाल खड़ा हो गया कि शव का अंतिम संस्कार कैसे किया जाए। मधुमक्खियां करीब एक किमी दूर तक ग्रामीणों का पीछा कर रही थीं। ढाई घंटे बाद पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से पांच पीपीई किट मौके पर पहुंचाई गईं। मृतक पांडुरंग हरियान के बेटे ने किट पहनकर अनुष्ठान पूरा किया। चार-पांच अन्य लोगों ने पीपीई किट पहनकर श्मशान घाट जाकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना से तालुका में सनसनी फैल गई।

भीमा कोरेगांव मामला

कोर्ट ने कार्यकर्ता की अंतरिम जमानत याचिका पर एनआईए का रुख पूछा

एजेंसी । मुंबई/नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भीमा कोरेगांव मामले में आरोपी कार्यकर्ता महेश राउत की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने इस मामले में एनआईए से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। याचिका में राउत की दादी के निधन के बाद के अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की गई है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति अगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 जून की तारीख तय की। पीठ ने राउत के वकील से पूछा, 'अंतिम संस्कार 26 मई को हुआ तो अब कौन से अनुष्ठान बचे हैं? आपने यह नहीं बताया कि ये कब होंगे?'

दादी के निधन के बाद कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए दायर की गई याचिका

राउत की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर देसाई ने कोर्ट को बताया कि यह अंतरिम जमानत अर्जी उनकी दादी के निधन के बाद कार्यक्रमों में शामिल होने के वास्ते गढ़चिरोली जाने के लिए दायर की गई है। शीर्ष अदालत ने राउत को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को लागू करने पर लगी रोक पिछले साल सितंबर में बढ़ा दी थी। एनआईए ने 33 वर्षीय राउत को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के 21 सितंबर के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। राउत को जून 2018 में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह तलोजा जेल में हैं।

एनआईए कर रही है मामले की जांच

उच्च न्यायालय के 21 सितंबर के फैसले के बाद एनआईए के वकील ने इस आदेश को लागू करने पर रोक लगाने का अनुरोध किया था ताकि जांच एजेंसी इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे सके। यह मामला पुणे में 31 दिसंबर, 2017 को आयोजित भीमा कोरेगांव सम्मेलन से जुड़ा है जो पुणे पुलिस के अनुसार माओवादियों द्वारा प्रायोजित था।

पोर्श दुर्घटना मामला

कम नहीं हो रही अग्रवाल दंपति की मुश्किलें

कोर्ट ने और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी । मुंबई/पुणे

पुणे के पोर्श दुर्घटना मामले में आरोपी नाबालिग के माता-पिता की मुश्किलें कम होने का नाम नही ले रही है। शुक्रवार को एक अदालत ने शिवानी अग्रवाल, विशाल अग्रवाल और अशफाक मकंदर को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बीते 13 मई को शहर के कल्याणी नगर में हुए कार एक्सीडेंट में 2 इंजीनियरों की मौत हो गई थी। इससे पहले, पुणे पुलिस ने आरोपी नाबालिग के माता-पिता और एक अन्य को न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद कोर्ट के समक्ष पेश किया था, जहां अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। नाबालिग के ब्लड सैंपल से कथित तौर पर बदलने को लेकर उसके पिता विशाल और मां शिवानी अग्रवाल और बिचौलिया अशफाक मकंदर के खिलाफ जांच की जा रही है। अदालत में विशाल अग्रवाल और शिवानी अग्रवाल के ब्लड सैंपल में अदला-बदली और अशफाक मकंदर के मामले में सुनवाई हुई।

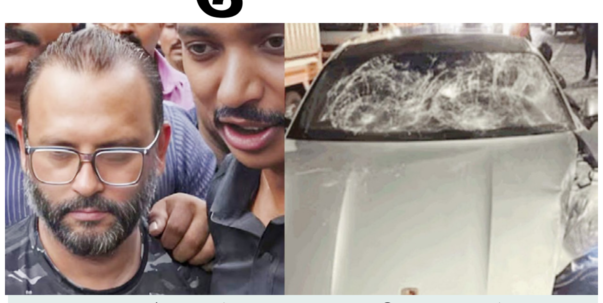

ब्लड सैंपल में अदला-बदली का आरोप

जानकारी के लिए बता दें कि 19 मई को हुई दुर्घटना के दौरान नाबालिग शराब के नशे में होने या ना होने का पता लगाने के लिए के ब्लड सैंपल एकत्र किया जाना था। मकंदर पर अग्रवाल दंपति और ससून अस्पताल के चिकित्सकों के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाने का आरोप है, जहां ऐसे मामलों में ब्लड सैंपल एकत्र किए जाते हैं। आरोप है कि किशोर के ब्लड सैंपल को उसकी मां शिवानी अग्रवाल के ब्लड सैंपल से बदल दिया गया।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

अभियोजन पक्ष ने नाबालिग के माता-पिता को न्यायिक हिरासत में भेजने का, लेकिन मकंदर को और तीन दिनों के लिए पुलिस हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जांच में पता चला है कि नाबालिग के ब्लड सैंपल से बदले जाने से पहले उसने उसके माता-पिता से मुलाकात की थी। क्राइम ब्रांच के एसीपी गोवेकर ने अदालत से कहा कि पैसों के लेन देन से पहले अशफाक मकंदर और विशाल अग्रवाल की मुलाकात हुई थी। हम जानना चाहते है कि वहां और कौन था। इसकी हम आगे जांच करना चाहते है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने किशोर के माता-पिता और मकंदर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हादसे में दो आईटी पेशेवरों की मौत

यहां कल्याणी नगर इलाके में अनीश अवधिया (24) और अश्विनी कोष्टा (24) नाम के दो आईटी पेशेवरों की उस समय मौत हो गई, जब 17 वर्षीय किशोर द्वारा कथित तौर पर चलाई जा रही पोर्श कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी।

भिवंडी के 21 स्कूल अवैध घोषित

अवैध स्कूलों के खिलाफ नागरिकों ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी मनपा शिक्षा बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी उपेन्द्र सांबरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि भिवंडी मनपा क्षेत्र में 21 प्राथमिक विद्यालय अनाधिकृत हैं। भिवंडी मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने भिवंडी शहर के नागरिकों से अपील की है कि निम्नलिखित स्कूल अनधिकृत हैं और माता-पिता इनमें अपने बच्चों निम्नलिखित अवैध स्कूलों में प्रवेश न दिलाए। दिलचस्प और शर्मनाक बात यह है कि पिछले शैक्षणिक वर्ष में शहर में 16 अनधिकृत स्कूल थे, इस साल 5 स्कूलों की वृद्धि हुई है।

इन अवैध स्कूलों में ना दिलाएं प्रवेश

- जम जम मकतब एवं स्कूल, भिवंडी, जिला। ठाणे, रावजी नगर, नवी वस्ती कल्याण रोड,
- डॉ. एपी जे अब्दुल कलाम इंग्लिश स्कूल, रावजी नगर, नवी वस्ती कल्याण रोड,
- रॉयल इंग्लिश स्कूल, पटेल कंपाउंड, धामनकरकर
- नोबेल इंग्लिश स्कूल अवचित पाड़ा
- अल रज़ा उर्दू प्राइमरी स्कूल, अमजदिया रोड, खान कंपाउंड, गैबीनगर
- मराठी प्राथमिक विद्यालय, पाइप लाइन के पास, टेमघर
- अंग्रेजी प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय, पाइप लाइन पड़ोस, टेमघर
- द लर्निंग प्राइमरी स्कूल, टेमघर पाड़ा, भादवड
- एकता इंग्लिश पब्लिक स्कूल, फातमा नगर, गायत्रीनगर
- एकता उर्दू पब्लिक स्कूल, फातमानगर, गायत्रीनगर
- ए. आर. रहमान उर्दू प्राइमरी स्कूल, फातमानगर, नागांव
- ज़वेरिया उर्दू प्राइमरी स्कूल, गैबीनगर
- विवेकानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवीवस्ती कल्याण रोड,
- सरस्वती इंग्लिश स्कूल, नवीवस्ती, गौतम कंपाउंड
- अल हिदायत पब्लिक प्राइमरी स्कूल, पटेल नगर, बाला कंपाउंड
- तहजीब इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, चिंदीशाह दरगाह के पास, जैतनुपुरा
- इक़रा इस्लामिक स्कूल मेट्रो हॉटेल, नदीनाका
- कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल, सागर प्लाजा होटल के सामने, नागांव
- अल फलक मकतब और इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, खजूरपुरा
- फरहान इंग्रजी प्राथमिक शाळा, दर्गा रोड
- गितांजली इंग्रजी माध्यमिक शाळा,पद्मानगर, वराल देवी रोड

बकरीद त्योहार के लिए मनपा प्रशासन पूरी तरह सजग और तैयार

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी। भिवंडी मनपा प्रशासक और आयुक्त अजय वेद ने कहा है कि मुस्लिम धर्म के त्योहार बकरीद को खुशी-खुशी मनाने के लिए भिवंडी मनपा प्रशासन पूरी तरह सजग और तैयार है। देश में पावर लूम इंडस्ट्री को लेकर मैनचेस्टर के नाम से मशहूर भिवंडी शहर में न्यायालय के निर्देशानुसार नागरिकों की मांग के अनुरूप शहर के पांच वार्ड समिति क्षेत्रों में 54 अस्थायी कुर्बानी केंद्र बनाये गये हैं। कुर्बानी के जानवरों की ई-टैगिंग कराना अनिवार्य है, कुर्बानी के दौरान जानवरों का निरीक्षण करने के लिए कम से कम 120 पशु चिकित्सा अधिकारियों को अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया है।

25 पानी के टैंकर किराए पर लिए गए

कुर्बानी स्थल की साफ-सफाई के लिए 25 पानी के टैंकर किराये पर लिए गए हैं तथा इसके साथ ही मनपा के 4 टैंकर एवं 2 जेटिंग मशीन का उपयोग किया जायेगा। कुर्बानी में कुल 186 बैंडिस्ट टेम्पो, 12 जेसीबी, तीन क्रेन का उपयोग किया जाएगा। कुर्बानी केंद्र स्थल की साफ-सफाई कर आवश्यक पानी का छिड़काव किया जायेगा, सभी अवशेषों के उचित निपटान के लिए अवरुद्ध वाहनों का उपयोग किया जाएगा, यह सुनिश्चित करने का ध्यान रखा गया है कि किसी भी जानवर के अंग, रक्त और मांस सड़कों पर न गिरे। इस विशेष अभियान के लिए 819 कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है।

1 करोड़ 21 लाख रुपए किया जाएगा खर्च : आयुक्त अजय वैद्य

भिवंडी शहर में त्योहार मनाने के लिए मनपा प्रशासन ने उचित व्यवस्था की है और इसके लिए 1 करोड़ 21 लाख रुपये खर्च किए हैं। भिवंडी मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने भिवंडी के सभी निवासियों से अपील की है कि वे सुप्रीम कोर्ट और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करें और बकरीद को खुशी से मनाएं।

मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उत्सव दर्शकों को एक बार फिर रोमांचित करने के लिए तैयार

एजेंसी । मुंबई

कल लघु फिल्मों, डॉक्युमेंट्री और एनिमेशन फिल्मों के लिए मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उत्सव (एमआईएफएफ) के 18वें संस्करण के भव्य उद्‌घाटन के लिए उत्सुकता बढ़ रही है। यह एक सिनेमाई उत्सव की शुरुआत है, जो दर्शकों और उद्योग के पेशेवरों को समान रूप से आकर्षित करने का वादा करता है।

प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध समृद्ध अनुभव की झलक पेश करते हुए तथा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महोत्सव के सिनेमाई खजाने का अनावरण करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने कहा कि इस तरह के उत्सवों के आयोजन का पूरा उद्देश्य केवल सिनेमा को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि समसामयिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर विचार करना तथा नीति निर्माताओं को समाधान की दिशा में मार्गदर्शन करना है।

डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्मों के बढ़ते बाजार की ओर इशारा करते हुए संजय जाजू ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री फिल्म एक बहुत बड़ा उद्योग है, जिसकी वैश्विक स्तर पर 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कीमत है। यह सूचना देने, प्रेरित करने, आत्मनिरीक्षण करने और मनोरंजन करने की इस शैली की शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "वृत्तचित्रों के अलावा हमारे पास एक बहुत ही जीवंत और गतिशील वीएफएक्स खंड है, जिसमें एनिमेशन खंड भी शामिल है। यह एक बड़ा उद्योग है, जो हमारे देश में बहुत अधिक आर्थिक और रोजगार को बढ़ाने वाला है। हमें खुशी है कि यह खंड इस वर्ष एमआईएफएफ का हिस्सा है।"

एनिमेशन और वीएफएक्स उद्योग में हमारे देश द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, सचिव ने यह भी कहा कि छोटा भीम और चाचा चौधरी जैसे भारतीय वीएफएक्स पात्र विश्व प्रसिद्ध हो गए हैं और वे साबित करते हैं कि भारतीय कहानियों में सार्वभौमिक रूप से गूंजने की शक्ति है। उन्होंने जोर देकर कहा, "पूरा उद्देश्य एनिमेशन क्षेत्र में हमारे देश के भीतर बौद्धिक संपदा का निर्माण करना है, जिसे दूर-दूर तक फैलाना चाहिए। यह हमारे कई रचनाकारों के लिए ऐसे विचारों के साथ आने का अवसर है जो दुनिया की कल्पना को ग्रहण करेंगे।"

संजय जाजू ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले सप्ताह एमआईएफएफ में 59 देशों की 61 भाषाओं में 314 फिल्में, 8 विश्व प्रीमियर, 5 अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर, 18 एशिया प्रीमियर और 21 भारत प्रीमियर होंगे। साठ देश अपनी फिल्मों और अन्य प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से भाग ले रहे हैं।

2 सड़क दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत, एक जख्मी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

शहर के 2 अलग अलग क्षेत्रों में हुए दो सड़क दुर्घटना में 2 लोगों की मौत हो गई,जबकि एक अन्य घायल हो गया।इस मामले में एसटी बस चालक व अज्ञात कार चालक सहित दो वाहनों पर दो पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज कर पुलिस फरार दोनो वाहन चालकों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मुंबई नाशिक हाइवे पर भिवंडी अंतर्गत आने वाले मानकोली इलाके में स्थित अंजूर पेट्रोल पंप के सामने 12 जून को रात लगभग 10:30 बजे शिवधन धुपकुमार मिश्रा (38) पैदल जा रहे थे।इसी दरम्यान अज्ञात कार ने मनकोली नाका ब्रिज से पहले पंप पर इस युवक को जोरदार टक्कर लगने से शिवधन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजने के साथ पुलिस हवलदार समीर बालकृष्ण ठाकरे की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

इसी तरह भिवंडी कल्याण रोड द्वारा 13 जून की रात एसटी निगम की बस क्रमांक एमएच 14 बीटी 4924 भिवंडी डिपो में जा रही थी।जैसे ही बस टेमघर इलाके में स्थित साई बाबा मंदिर के पास पहुंची,उसी दरम्यान दोपहिया वाहन एमएच 04 केजेड 5878 ने टक्कर मार दी। जिसके कारण बाइक चालक सड़क पर गिरकर बस के नीचे आ गया और बस द्वारा रौंदने से चालक नूरुद्दीन खाजाभाई शेख (30) की मौके पर ही मौत हो गई और उसका दोस्त जुबेर याकूब(36) घायल हो गया।

भिवंडी मनपा आयुक्त से सांसद बाल्या मामा की मुलाकात

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

नवनिर्वाचित भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने शुक्रवार को भिवंडी मनपा आयुक्त अजय वैद्य से मुलाकात की और भिवंडी शहर के विकास और मानसून के दौरान माना प्रशासन की जिम्मेदारियों के मुद्दों पर चर्चा की और मानसून से पहले शहर की गटरों और नालों की सफाई का कार्य पूरा करने पर जोर दिया। इस मौके पर सांसद म्हात्रे ने खतरनाक इमारतों, सड़कों के अधूरे काम, कूड़े की समस्या और आगामी बकरीद त्योहार के अवसर पर की जाने वाली सुविधाओं की समीक्षा की, इस अवसर पर राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार गुट के अध्यक्ष शोएब गुड्डु, पूर्व डिप्टी मेयर इमरान खान, पूर्व पार्षद मतलूब सरदार, हलीम अंसारी समेत मनपा उपायुक्त व अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस दौरे के दौरान पूर्व पार्षदों और मनपा अधिकारियों की उपस्थिति में शहर के विकास के मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें मनपा प्रशासन द्वारा शहर में नालों की सफाई और बकरीद त्योहार के दौरान उचित सावधानी बरतने की मांग की गई और आयुक्त को विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया।

वर्धा के हिंदी विश्वविद्यालय में अकादमिक कदाचार

फर्जी नियुक्तियों पर शिक्षा मंत्रालय ने लिया संज्ञान

एजेंसी । वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय आये दिन चर्चा में बना रहता है। इसी बीच शिक्षा मंत्रालय ने फर्जी नियुक्तियों पर संज्ञान लिया है। दरअसल, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने कार्यालय में लगातार सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पदों पर नियुक्तियां किया। शुक्ल पर विश्वविद्यालय के लोग और छात्र संगठनों ने गलत तरीके से नियुक्ति करने का आरोप लगाते रहे हैं। उसके बाद नियुक्तियों के मामले में वर्धा के जिला अधिकारी कार्यालय से 21 दिसंबर 2022 को राष्ट्रपति से शिकायत की गई थी। राष्ट्रपति ने संज्ञान लेते हुए नियुक्तियों में हुई फर्जीवाड़े की शिकायत के संबंध में शिक्षा मंत्रालय को संज्ञान लेने को कहा था।

जांच करने को कहा गया था

राष्ट्रपति के आदेश के बाद शिक्षा मंत्रालय ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव को एक पत्र लिखकर जांच करने को कहा था। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र को अनदेखा कर शिक्षा मंत्रालय का मजाक बना रहा है। जबकि मंत्रालय बार-बार विश्वविद्यालय से जांच कर नियुक्तियों में हुई फर्जीवाड़े पर कार्यवाही करने को कह रहा है।

वर्तमान कुलपति और कुलसचिव भी इस मामले पर मौन

विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रोफेसर के.के. सिंह और कुलसचिव आनंद पाटील भी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं और जबसे प्रोफेसर के. के. सिंह कुलपति बने हैं तब से इस मामले को छोड़कर विश्वविद्यालय में आंतरिक ट्रांसफर करने में ही व्यस्त हैं। जबकि विश्वविद्यालय के छात्र संगठन भी विश्वविद्यालय में हुई फर्जी तरीके से नियुक्तियों के संबंध में आवाज उठाते रहे हैं। अब देखना है कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र पर विश्वविद्यालय प्रशासन क्या कार्यवाही करता है।

मोबाइल स्कूल को मिला अच्छा प्रतिसाद

450 बच्चों को मिलेगा स्कूल में प्रवेश

दोपहर संवाददाता । ठाणे

बेसहारा और समाज से कटे बच्चों को समाज के मुख्य धारा में लाने के लिए महिला बाल विकास विभाग ने नई योजना के तहत चलते फिरते मोबाइल स्कूल को शुरू करने की तैयारी कर ली है। इस प्रकल्प के दूसरे चरण में नवी मुंबई व अंबरनाथ नगर परिषद में इस साल 450 से 500 बच्चों को मनपा के स्कूलों में 20 जून 2024 में प्रवेश दिया जायेगा। यह जानकारी जिला महिला व बालविकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड ने दिया है।

7 जिलों में चल रहा है पायलट प्रोजेक्ट

सड़कों के बच्चों के लिए महिला व बाल विकास विभाग ने नई योजना के तहत साल 2022-2023 में शिक्षा के लिए चलते फिरते मोबाइल स्कूल के माध्यम से ठाणे जिला सहित राज्य के 7 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। साल 2023 में 170 बच्चों को इस योजना के तहत भिवंडी मनपा के स्कूल में प्रवेश मिला है ।इस प्रकल्प के दूसरे चरण में नवी मुंबई मनपा व अंबरनाथ नगर परिषद के सड़कों पर घूमने वाले बच्चों व उनके अभिभावक को महिला बाल विकास की ओर से पिछले 6 से 7 महीनों में शिक्षा का उपदेश दिया है ।जिसका अच्छा प्रतिसाद मिलता दिखाई दे रहा है ।इस साल 2024 व 2025 में सड़कों पर रहने वाले 450 से 500 बच्चों को कई महानगर पालिका के स्कूलों में प्रवेश दिया जायेगा। इन बच्चों का प्रवेशपत्र महिला व बालविकास विभाग सचिव अनुप कुमार यादव (भा.प्र.से.)के हाथों से वितरण किया जायेगा।

नालासोपारा में युवक का एज्युकेशन कागजात हुआ चोरी

दोपहर संवाददाता । नालासोपारा

नालासोपारा में निशांत चौधरी नाम के युवक से नालासोपारा के किरौही नगर शिरडी नगर आचोरे नगर में एज्युकेशन कागजात की चोरी हुई है 1

इन कागजातो में लीविंग आधार कार्ड पँन कार्ड एच एच सी मार्क शीट शंकर नारायण कॉलेज के कागजातों की भी चोरी हुई है। इस मामले पर नवघर पुलिस स्टेशन एफ आय आर दाखिल हो चुकी है।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार इन्सान अपने अंदर कोई बुराई लेकर पैदा नहीं होता, बुराईयां बाहर से दाखिल होती हैं: सआदत हसन मंटो

न्यूज़ ब्रीफ

लापरवाह पुलिस पर हाई कोर्ट नाराज

डीजीपी के निर्देशों के बावजूद केस डायरी संभालने में नाकाम

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देशों के बावजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा केस डायरी संभालकर नहीं रखे जाने की घटनाओं पर 'गहरी पीड़ा' व्यक्त की है। न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने एक मामले को रद्द करने से संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को कहा कि यह एक और ऐसा अनोखा उदाहरण है, जिसमें पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 172 (1-बी) का पूरी तरह उल्लंघन किया है। पीठ ने इस वर्ष जनवरी में भी एक अन्य मामले की सुनवाई करते हुए इसी तरह की चिंता जताई थी, जिसके बाद राज्य के डीजीपी ने सर्कुलर जारी कर सभी पुलिस अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि प्रत्येक मामले की केस डायरी कानून के प्रावधानों के अनुसार अपडेट रखें। पीठ ने गुरुवार को संबंधित मामले की केस डायरी पुलिस से मांगी थी, लेकिन उसने पाया कि इसे सर्वाधिक खराब तरीके से रखा गया था। इससे नाराज अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि डीजीपी द्वारा जारी निर्देश निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों तक पहुंचे ही नहीं हैं। पीठ ने कहा, 'हमें ऐसा लगता है कि जांच अधिकारी या तो निर्देश से अनभिज्ञ हैं या इसके प्रति अनभिज्ञता का दिखावा कर रहे हैं।'

शिखर बैंक घोटाला

मुश्किल में फंसे अजित पवार

अजित पवार को मिली क्लीन चिट के खिलाफ अन्ना हजारे, कोर्ट में चुनौती दी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

शिखर बैंक घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मुश्किलें बढ़ रही हैं। इस मामले में मुंबई पुलिस की ओर से क्लीन चिट देने को अन्ना हजारे ने सेशन कोर्ट में निषेध याचिका दाखिल करके चुनौती दी है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इस याचिका पर सुनवाई 29 जून को होगी।

क्या है शिखर बैंक घोटाला ?

शिखर बैंक ने 2005 से 2010 के बीच राज्य में सहकारी चीनी मिलों, सहकारी धागा मिलों, कारखानों और अन्य कंपनियों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक लोन बांटे थे। बाद में पता चला कि यह सभी लोन गलत तरीके से दिए गए थे। इस मामले की शिकायत अन्ना हजारे ने मुंबई पुलिस से की थी और पुलिस ने छानबीन की। इसके बाद पुलिस ने शिखर बैंक के निदेशक अजित पवार समेत 70 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, लेकिन कुछ महीने पहले पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा ने एक अतिरिक्त क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल की थी। वित्तीय अपराध शाखा ने क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि लोन वितरण और चीनी कारखाने की बिक्री के संबंध में बैंक को किसी भी नुकसान का कोई सबूत नहीं मिला। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे और माणिकराव जाधव ने इस क्लोजर रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में निषेध याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई सेशन कोर्ट में हुई। कोर्ट ने निषेध याचिका पर सुनवाई 29 जून को तय की है। इसलिए इस निषेध याचिका के बाद अजीत पवार की मुश्किलें बढ़ने के आसार बन गए हैं।

हजारे को देशभर के घोटालों को उजागर करना चाहिए : राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले अन्ना हजारे को चुनावी बॉण्ड से जुड़े कथित घोटाले सहित देशभर के घोटालों को उजागर करना चाहिए। राउत उन खबरों का हवाला दे रहे थे, जिनमें कहा गया है कि हजारे महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) से संबंधित कथित घोटाले की 'क्लोजर रिपोर्ट' को चुनौती देंगे। मामले के आरोपियों में उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी शामिल हैं।

अन्ना हजारे ने जताई नाराजगी

वकीलों की दलील है कि- जांच एजेंसियों का इस्तेमाल पूरी तरह से सरकार के द्वारा किया जा रहा है। सत्तारूढ़ दलों के द्वारा दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में लाने के दबाव बनाने के लिए भी जांच एजेंसियों दुरुपयोग किया जा रहा है। अजित पवार के मामले में EOW और प्रवर्तन निदेशालय (ED) का व्यवहार भी ऐसा ही देखने को मिला है। इसलिए ऐसी कोई तस्वीर नहीं है कि इस गंभीर मामले की जांच राज्य या केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा पारदर्शी तरीके से की जाएगी। इसलिए इस मामले की जांच हाईकोर्ट के रिटायर जजों की अध्यक्षता में एसआई बनाकर की जानी चाहिए।

मुंबई में मिली गर्मी से राहत, कई हिस्सों में हुई झमाझम बारिश

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई के कई हिस्सों में बारिश होने की वजह से मौसम काफी सुहाना हो गया है। दो दिन के बाद शुक्रवार को अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की वजह से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। हालांकि शहर में जलभराव की स्थिति नहीं बनी। लोगों ने शानदार मौसम का आनंद उठाया। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि गरज के साथ बारिश की शुरुआत हुई, लेकिन इससे शहर में कहीं भी बड़ी मात्रा में जलभराव की कोई खबर नहीं है। साथ ही रेलवे और बीईएसटी बस की सार्वजनिक परिवहन सेवाएं काफी हद तक सामान्य ही रहीं।

शहर बादल छाए रहेंगे

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जानकारी दी है कि अगले 24 घंटे में शहर और उपनगरों में बादल छाए रहेंगे, इसके साथ ही हल्की बारिश होने की भी संभावना है। मुंबई में मॉनसून अपनी तारीख 11 जून से दो दिन पहले नौ जून को दस्तक दे चुका है। हालांकि पिछले दो दिनों में यहां बारिश नहीं होने की वजह से मौसम उमस भरा रहा था। हालांकि शुक्रवार सुबह हुई बरसात ने लोगों को गर्मी से राहत दी है।

विपक्ष के झूठे प्रचार को जनता के सामने बेनकाब करेंगे : चन्द्रशेखर बावनकुले

नितिन तोरस्कर | मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष की ओर से किए गए झूठे प्रचार को जनता के सामने बेनकाब किया जाएगा। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता महाराष्ट्र में हर घर में जाएंगे।

48 लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे बीजेपी के 48 नेता

चंद्रशेखर बावनकुले ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि लोकसभा चुनाव नतीजों पर विचार के लिए शुक्रवार को क्षेत्रीय पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि घर-घर जाकर मतदाताओं के मन में व्याप्त गलतफहमी को दूर करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने जाति-धर्म से परे जाकर जो व्यापक विकास किया है, अगले पांच वर्षों में हम विकसित भारत के लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाएंगे। बीजेपी के 48 नेता आने वाले समय में महाराष्ट्र के 48 लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे और लोगों के मन में व्याप्त गलतफहमियों को दूर करेंगे। इसके साथ ही नव मतदाता पंजीकरण अभियान भी चलाया जाएगा।

आसान होगी यात्रियों की राह

पश्चिम रेलवे ने मुंबई लोकल ट्रेन में लगाया पैनोरमा डिजिटल डिस्प्ले

मुंबई। पश्चिम रेलवे की मुंबई उपनगरीय ट्रेनों से यात्रा करने वाले मुंबईकरों के लिए पश्चिम रेलवे ने लोकल ट्रेन के डिब्बों में पैनोरमा डिजिटल डिस्प्ले स्थापित किया है। मुंबई सेंट्रल स्थित पश्चिम रेलवे के ईएमयू कारशेड ने मोटर कोचों के साइड पैनल पर एक नया हेड कोड डिस्प्ले सिस्टम सफलतापूर्वक शुरू किया है। यह सुविधा यात्रियों को लोकल ट्रेन के गंतव्य की स्पष्ट और तत्काल पहचान प्रदान करेगी, जो मुंबई उपनगरीय नेटवर्क पर ज्यादा सुविधा के साथ ही यात्रा की जानकारी को सुनिश्चित करेगी। इस डिस्प्ले की विशेषता यह है कि जब गार्ड प्रारंभिक स्टेशन पर अपनी कैब में चढ़ता है और ट्रेन नंबर फीड करता है, तो यात्रा का सारा विवरण साइड-माउंटेड पैनोरमा डिजिटल डिस्प्ले पर सटीक रूप से दिखने लगता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 5 करोड़ 14 लाख रुपए की ठगी

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफा दिखाकर की गई ठगी

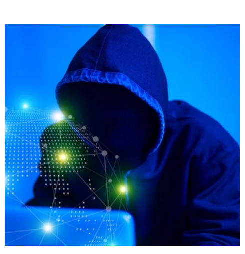

मुंबई। मुंबई में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में धोखधड़ी कर एक परिवार को 5 करोड़ 14 लाख रुपये का चूना लगाने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई पुलिस ने ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग धोखाधड़ी के एक मामले में ये गिरफ्तारी की है। आरोपियों ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके परिवार के सदस्यों से 5 ।14 करोड़ रुपये की ठगी की है।

दो गिरफ्तार

अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने बुधवार को एक ट्यूशन शिक्षक और एक गार्ड को गिरफ्तार किया, जिन्होंने वित्तीय लेनदेन के लिए साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। उन्होंने बताया कि यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब साकीनाका के रहने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अप्रैल में मुंबई अपराध शाखा की साइबर पुलिस से ठगी की शिकायत की। अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह जनवरी में ऑनलाइन शेयर ट्रेडर्स के एक व्हाट्सएप ग्रुप में उसे शामिल किया। उसने जल्द ही शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने की इच्छा जताई जिसके बाद उसे एक फोन आया और प्रशिक्षण लेने के लिए कहा गया। पीड़ित के मुताबिक शिकायतकर्ता ने एक एप्लिकेशन डाउनलोड किया और उसका वर्चुअल अकाउंट बन गया। अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता ने शेयर ट्रेडिंग में पैसा निवेश करना और मुनाफा कमाना शुरू कर दिया और उसके परिवार के सदस्यों ने भी उसमें पैसा लगाना शुरू कर दिया। दो महीने में अलग-अलग बैंक खातों में 5 .14 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

निवेश में मुनाफा दिखाकर लगाया चूना

पीड़ितों को वर्चुअल अकाउंट से पता चला कि उन्हें अच्छा खासा मुनाफा हुआ है और उनका निवेश बढ़कर 87 .85 करोड़ रुपये हो गया है। इसके बाद जब उन्होंने अपने पैसे निकालने की कोशिश की तो वो रकम नहीं निकाल सके। शिकायत के बाद जब पुलिस ने बैंक खातों की जांच की, जिनमें पीड़ितों ने अपने पैसे जमा किए थे तो वो खाता एक सुरक्षा गार्ड हम्प्रीत सिंह रंधवा (34) का निकला। अधिकारी ने बताया कि विरार निवासी रंधवा ने पुलिस को बताया कि ट्यूशन शिक्षक विमलप्रकाश गुप्ता (45) ने उनके लिए एक बैंक खाता खोला था और इसे वित्तीय लेनदेन के लिए साइबर जालसाजों को दे दिया था। इसके बाद पुलिस ने गुप्ता को गोरेगांव से पकड़ लिया। जांच से पता चला है कि गुप्ता टेलीग्राम ऐप पर साइबर जालसाजों के संपर्क में था। अधिकारी ने बताया कि जालसाजों ने वित्तीय लेन देन के लिए गुप्ता को पैसे की पेशकश की थी जिसके बाद वो लालच में आ गया था।

रवीना टंडन ने मानहानि का भेजा नोटिस

- एक व्यक्ति ने पोस्ट किया था रोड रेज संबंधित वीडियो
- जांच के बाद पुलिस ने रवीना टंडन को क्लीन चिट दी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर कथित रोड रेज घटना के संबंध में पोस्ट वीडियो को न हटाने पर मानहानि का नोटिस भेजा है। इस मामले की पुलिस जांच में रवीना निर्दोष पाई गई थीं। सीसीटीवी फुटेज और लोगों से पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस ने स्पष्ट किया कि शख्स ने अभिनेत्री पर जो आरोप लगाए, वे झूठे थे। इस मामले में रवीना टंडन ने अब कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में व्यक्ति ने दावा किया था कि रवीना टंडन की कार ने उसकी मां को टक्कर मारी थी। पूछताछ करने पर उसने अभिनेत्री द्वारा उन पर हमला करने का आरोप लगाया था। उस व्यक्ति ने यह भी दावा किया था कि यह घटना तब हुई जब उसकी मां, बहन और भतीजी यहां अभिनेता के घर के पास थीं। हालांकि, मुंबई पुलिस की जांच में पाया गया कि अभिनेत्री की कार ने किसी को टक्कर नहीं मारी।

मानहानि के नोटिस में क्या कहा गया ?

वकील सना खान के माध्यम से भेजे गए मानहानि के नोटिस में कहा गया है कि अभिनेत्री ने व्यक्ति को पुलिस जांच से सामने आए 'सच्चे और सही तथ्यों के बारे में सूचित किया है। मानहानि नोटिस के अनुसार, व्यक्ति ने अभिनेत्री रवीना टंडन से अपने एक्स अकाउंट से वीडियो हटाने के लिए अनुरोध पत्र भेजने को कहा, जिसे 5 जून को ईमेल के माध्यम से भेजा गया था। नोटिस में कहा गया है, हालांकि, आपने (उस व्यक्ति ने) अपने हैंडल से पोस्ट हटाने से इनकार किया है और इसके अलावा हमारे मुवक्किल को धमकी दी है कि अगर 24 घंटे के भीतर उक्त अनुरोध पत्र वापस नहीं लिया गया तो वे कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। नोटिस में, रवीना टंडन ने कहा कि उस व्यक्ति ने वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया और समाचार पोर्टलों पर उन्हें बदनाम किया है 'जो निश्चित रूप से फर्जी खबर है और अपमानजनक भी है। नोटिस में आगे कहा गया है कि यह उन्हें मानसिक उत्पीड़न और पीड़ा देकर सार्वजनिक रूप से बदनाम करने के लिए बनाया गया है। वकील सना खान ने कहा, हम वर्तमान में इस मुद्दे को हल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठा रहे हैं कि न्याय मिले और इस अपमानजनक अभियान को जारी रखने के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अजित पवार की पत्नी को राज्यसभा का टिकट मिलने से भुजबल नाराज

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल का दुख अब सबके सामने छलक आया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वह सांसद बनना चाहते हैं, इसलिए ही उन्होंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ा था। वहीं, राज्यसभा में मनोनित होने के लिए भी उत्सुक था। भुजबल उन खबरों पर सवालों का जवाब दे रहे थे, जिनमें दावा किया गया था कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राज्यसभा के लिए नामित किए जाने से नाराज हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या लोकसभा और राज्यसभा के टिकट को लेकर उनके साथ अन्याय हुआ है, ओबीसी नेता ने कहा कि यह सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए।

सांसद बनना मेरी इच्छा

भुजबल ने कहा, 'सांसद बनना मेरी इच्छा है। इसलिए ही मैं नासिक लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हुआ था। जैसे ही मुझे बताया गया था कि दिल्ली में मेरा टिकट तय हो गया है, मैंने काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन जब नाम के फैसले को लेकर एक महीने का समय खिंच गया, तो मैंने काम रोक दिया क्योंकि इतना अपमान होना काफी था।' एनसीपी नेता ने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन में एनसीपी की सहयोगी शिवसेना के हेमंत गोडसे भी नासिक से टिकट हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि जिसे भी टिकट दिया जाएगा , वह उसके साथ सहमत होंगे। बता दें, नासिक सीट पर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के राजाभाऊ वाजे ने जीत दर्ज की।

क्या बोले अजित पवार?

एनसीपी नेता सुनेत्रा पवार को राज्यसभा सीट दिए जाने पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा, 'कोई भी परेशान नहीं है। छगन भुजबल और प्रफुल्ल पटेल पहले ही साफ कर चुके हैं कि हमारे संसदीय बोर्ड ने यह फैसला किया है। देवेंद्र फडणवीस किसी के अंतिम संस्कार में गए हुए हैं, इसलिए वह नहीं आ सके। कोई भी परेशान नहीं है। नामांकन पहले ही दाखिल किया जा चुका है। आज हमें पता चला कि नामांकन भी स्वीकार कर लिया गया है और अगर अंतिम दिन से पहले कोई अन्य उम्मीदवार नहीं आया तो यह निर्विरोध चुनाव हो सकता है।' वहीं, पार्टी के एकमात्र लोकसभा सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि भुजबल नाराज नहीं हैं और वह नामांकन दाखिल करने के दौरान भी मौजूद थे। हम सभी नेताओं की और महायुति (देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे) नेताओं की एक साथ बात हुई। इसके बाद ही आज सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाया गया है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

जी/दक्षिण वार्ड,धन मिल नाका एन एम जोशी रोड,मुंबई 400025

ई-निविदा सूचना

मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त निम्नलिखित के लिए ई-निविदा आमंत्रित की है जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

विवरण	बोली नं.	अमानत जमा राशि	अनुबंध की अवधि	बोली आरंभ तिथि और समय	ऑनलाइन बोली जमा करने की नियत तारीख और समय
जी/दक्षिण वार्ड में सड़कों की धुलाई के लिए किराये पर पंप सहित पानी के टैंकर की आपूर्ति	2024_एमसीजीएम_ 1040509)	रु.25,000/-	60 दिन	15/06/2024 को दोपहर 01.00 बजे	21/06/2024 को शाम 16.00 बजे

पात्रता मानदंड और आगे की जानकारी के लिए :
(http://mahatenders.gov.in) पर 'ई-टेंडर' अनुभाग के अंतर्गत लॉग ऑन करे या कार्यालय में संपर्क करें।

सहायक आयुक्त
जी/दक्षिण वार्ड, धन मिल नाका एन एम जोशी रोड, प्रभादेवी, मुंबई- 13
फोन नं.022-24305031 विस्तार.124
ईमेल आईडी: ae01swm.gs@mcgm.gov.in

हस्ता./
सहा.अभियंता(एस.डब्लू.एम)
जी/दक्षिण वार्ड

पीआरओ/239/विज्ञा./2024-25

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

फिर आतंकी हमले

ग पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान की चर्चा हो रही थी। अब लगातार हो रहे आतंकी हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले हुए हैं। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। इन घटनाओं में छह जवानों समेत पचास के करीब लोग घायल हुए हैं। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। चिंता की बात यह है कि एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू किया जा रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में दखल दे सकते हैं। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। वहीं इन हमलों का चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक आतंकी घटनाओं का केंद्र दक्षिण कश्मीर आदि इलाके होते थे, अब की बार ये हमले जम्मू क्षेत्र में हुए हैं। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं। केंद्र सरकार विचार करे कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद क्या वाकई घाटी में स्थिति सामान्य हो पायी है? हाल के लोकसभा चुनाव में हुआ बंपर मतदान क्या चरमपंथियों को संसद भेजने का उपक्रम था? क्या वजह है कि राज्य में लंबे समय से लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज राजनेता लोकसभा चुनाव में धराशायी हो गए? हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली को लेकर जो दावे किये जा रहे थे तो क्या जमीनी हकीकत ऐसी ही है? देश के नीति नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि क्यों कश्मीर का जनमानस राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रहा है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है।

रोजगार बढ़ाने को वरीयता दे नयी सरकार

जयंतीलाल भंडारी

प्र धानमंत्री नरेंद्र मोदी की नयी एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। फ्रांस के कॉर्पोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च, 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। अब नयी सरकार द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। जून, 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। निःसंदेह, पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। एक शोध के अनुसार पिछले वर्षों में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रतिवर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार-आधारित हस्तक्षेपों से प्रतिवर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतया एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। निःसंदेह, नयी पीढ़ी को उच्च गुणवत्ता के नए कौशल के साथ सुसज्जित किया जाना होगा। खासतौर से डिजिटल इकोनॉमी के तहत ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, ट्रांजेक्शन, डेटा एनालिसिस, साइबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड, हॉस्पिटेलिटी, डेटा साइंस, कंटेंट क्रिएशन, ब्लॉकचेन मेटावर्स, नेटवर्किंग, रिलेशनशिप बिल्डिंग, डिजिटल लिटरेसी, इमोशनल इंटेलिजेंस ग्रोथ और क्रिटिकल थिंकिंग से जुड़े रोजगार अवसर तेजी से बढ़े हैं। नए स्टार्टअप्स से युवाओं के लिए लाखों रोजगार के मौके बन रहे हैं। देश की नई प्रतिभाशाली पीढ़ी के बल पर देश स्टार्टअप और सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सामर्थ्यवान देश के रूप में उभर रहा है। अब भाजपा के तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उच्च कौशल, कम लागत, प्रतिभा और मूल्य निर्माण जैसी भारत की विशेषताएं दुनिया में अधिक प्रचारित-प्रसारित कर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में और ज्यादा जीसीसी स्थापित करने के लिए प्रेरित करना होगा। नैसकॉम-जिनोव की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भारत तकरीबन 1600 जीसीसी की मेजबानी कर रहा है, जिसमें उच्च कौशल प्रशिक्षित 16.6 लाख लोग कार्यरत हैं। भारत 2025 तक 1,900 से ज्यादा जीसीसी वाला देश बनने की ओर बढ़ रहा है, जिसमें 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

सहज योग

शांत और शून्य चित्त

उसकी भनभन मंदिर के सन्नाटे में गूंज रही थी। उस युवक ने खड़े होकर जोर से उस मधुमक्खी से कहा, 'ओ, नासमझ, वह द्वार नहीं, दीवार है। रुक और पीछे देख, जहां से तेरा आना हुआ है, द्वार वही है।

एक दिन एक युवक गुरु की सेवा कर रहा था। गुरु की पीठ को मलते हुए उसने कहा, 'मंदिर तो बहुत सुंदर है, पर भीतर भगवान की मूर्ति नहीं है।' गुरु ने सुना, उसके क्रोध का ठिकाना न रहा। निश्चय ही वे शब्द गुरु के लिए ही कहे गए थे। उसके ही सुंदर शरीर को उसने मंदिर कहा था। गुरु के क्रोध को देखकर वह युवक हंसने लगा था। वह ऐसा ही था जैसे कोई जलती अग्नि में और घी डाल दे। गुरु ने उसे आश्रम से अलग कर दिया। फिर एक सुबह जब गुरु अपने धर्मग्रंथ का अध्ययन कर रहे थे, वह युवक अनायास कहीं से आकर पास बैठ गया। वह बैठा रहा, गुरु पढ़ता रहा। तभी एक जंगली मधुमक्खी कक्ष में आकर बाहर जाने का मार्ग खोजने लगी। द्वार तो खुला ही था-वही द्वार, जिससे वह भीतर आई थी, पर वह बिलकुल अंधी होकर बंद खिड़की से निकलने की व्यर्थ चेष्टा कर रही थी। उसकी भनभन मंदिर के सन्नाटे में गूंज रही थी। उस युवक ने खड़े होकर जोर से उस मधुमक्खी से कहा, 'ओ, नासमझ, वह द्वार नहीं, दीवार है। रुक और पीछे देख, जहां से तेरा आना हुआ है, द्वार वही है। मधुमक्खी ने तो नहीं, पर उस गुरु ने ये शब्द अवश्य सुने और उसे द्वार मिल गया।

उसने युवक की आंखों में पहली बार देखा। वह वह नहीं था, जो उसका शिष्य था। ये आंखें दूसरी ही थीं। गुरु ने उससे कहा, 'मैं आज जान रहा हूं कि मेरा मंदिर भगवान से खाली है और मैं आज जान रहा हूं कि मैं आज तक दीवार से ही सिर मारता रहा हूं और मुझे द्वार नहीं मिला है। क्या करूं कि मेरा मंदिर भगवान से खाली न रहे?'

उस युवक ने कहा, 'भगवान को चाहते हो, तो स्वयं से खाली हो जाओ। जो स्वयं भरा है, वही भगवान से खाली है। जो स्वयं से खाली हो जाता है, वह पाता है कि वह सदा से ही भगवान से भरा हुआ था। और इस सत्य का द्वार पाना चाहते हो, तो वही करो, जो वह मधुमक्खी कर रही है।'

गुरु ने देखा मधुमक्खी अब कुछ नहीं कर रही है। वह दीवार पर बैठी है और बस बैठी है। उसने समझा, वह जागा। जैसे अंधेरे में बिजली कौंध गई हो, ऐसा उसने जाना और उसने देखा कि मधुमक्खी द्वार से बाहर जा रही है। अब जाना कि चित्त जब शांत होता है और देखता है, तो द्वार मिल ही जाता है। शांत और शून्य चित्त ही द्वार है, जो परमपिता परमेश्वर के श्री चरणों तक पहुंचने का मार्ग है।

शख्सियत | सुरैया जमाल शेख

सदाबहार गायिका और अदाकारा

अपने जमाने की मशहूर गायिका और एक्ट्रेस सुरैया के दमदार अभिनय और सुरीली आवाज ने चार दशक तक सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर राज किया। सुरैया की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी अदाएं और भाव भंगिमाएं जो उनके गायन के साथ झलकती थीं। फिल्मों के साथ सुरैया पार्श्व गायिका भी थी और वह बॉलीवुड में वर्ष 1936 से 1963 तक सक्रिय रहीं।

15 जून, 1929 को पंजाब के गुजरांवाला (वर्तमान पाकिस्तान में है) में जन्मी सुरैया का पूरा नाम सुरैया जमाल शेख था। वह अपने माता-पिता की इकलौती और लाड़ली संतान थी। सुरैया को बचपन से ही गाने का काफी शौक था। इसकी बदौलत वह बॉलीवुड में एक मशहूर पार्श्व गायिका के रूप में मशहूर हुईं। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के न्यू गर्ल्स हाई स्कूल से ली। सुरैया ने अपने अभिनय और गायकी से हर कदम पर खुद को साबित किया। सुरैया को हिंदुस्तान से बहुत प्यार था। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद नूरजहां और खुर्शीद बानो ने पाकिस्तान की नागरिकता ले ली, लेकिन सुरैया यहीं रही।

सुरैया की बॉलीवुड में एंट्री की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। उन्हें हिन्दी फिल्मों में लाने का श्रेय उनके अंकल और गुजरे सागर के मशहूर विलन जहूर को जाता है। साल 1937 में सुरैया को उनके अंकल की वजह से फिल्म 'मैंने क्या लिया' में बाल कलाकारों की भूमिका निभाने का मौका मिला।

साल 1941 में उन्होंने स्कूल की सैर के दौरान 'ताजमहल' फिल्म की शूटिंग के दौरान मोहन स्टूडियो देखे। वहां उनकी मुलाकात फिल्म के निर्देशक नानू भाई वकील से हुई, जिसमें सुरैया में फिल्म इंडस्ट्री का एक उभरता हुआ सितारा नजर आया। उन्होंने सुरैया को फिल्म में मुमताज महल के बचपन के रोल के लिए चुना।

आकाशवाणी रेडियो के एक कार्यक्रम के दौरान संगीत सम्राट नौशाद ने जब सुरैया को गाते सुना तब वह उनके गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए। नौशाद के संगीत निर्देशन में पहली बार कारदार साहब की फिल्म 'शारदा' में सुरैया को गाने का मौका मिला। वर्ष 1946 में सुरैया को महबूब खान की फिल्म 'अनमोल घड़ी' में काम करने का मौका मिला। हालांकि सुरैया इस फिल्म मे सहअभिनेत्री थी, लेकिन फिल्म के एक गाने 'सोचा था क्या, क्या हो गया' से वह बतौर पार्श्व गायिका श्रोताओं के बीच अपनी पहचान बनाने में काफी हद तक सफल रही। जब वह निर्माता जयंत देसाई की फिल्म 'चन्द्रगुप्त' के एक गाने का रिहर्सल कर रही थी, जिससे केएल सहगल काफी प्रभावित हुए और उन्होंने जयंत देसाई से सुरैया को फिल्म 'तदबीर' में काम देने की सिफारिश की। वर्ष 1945 में प्रदर्शित तदबीर में के एल सहगल के साथ

जीवन ऊर्जा

अण्णा हजारे : जन्म- 15 जून 1937 | जन्म

जो समाज के लिए मरते हैं वो जिंदा रहते हैं

अन्ना हजारे का जन्म 15 जून 1937 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के रालेगन सिद्धि गांव के एक मराठा किसान परिवार में हुआ था। किसन बाबूराव हजारे एक भारतीय समाजसेवी हैं। ज्यादातर लोग उन्हें अण्णा हजारे के नाम से जानते हैं। अन्ना हजारे को 1992 में भारत सरकार द्वारा भारत के राष्ट्रीय पुरस्कार पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने देश में जो भ्रष्टाचार के खिलाफ क्रांति लायी है।

मैं इस देश के लोगों से अनुरोध करता हूं कि इस क्रांति को जारी रखें। अगर मैं ना रहूं तो भी लोगों को संघर्ष जारी रखना चाहिए। हमें कैमरे से दूर रहना चाहिए, केवल तभी हम देश के लिए कुछ कर पाएंगे वो जो हर समय मिडिया की चकाचौंध में रहना चाहते हैं वो कभी देश के लिए कुछ भी नहीं कर सकते। खजाने को चोरों से नहीं पहरेदारों से धोखा है। देश को सिर्फ दुश्मनों से नहीं, इन गद्दारों से धोखा है। मेरी मांगें नहीं बदलेंगी। आप मेरा सर काट सकते हैं, लेकिन मुझे सर झुकाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। जो अपने लिए जीते हैं वो मर जाते हैं, जो समाज के लिए मरते हैं वो जिंदा रहते हैं। क्या यह लोकतंत्र है? सभी एक साथ पैसा बनाने आए हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली समझूंगा अगर मैं अपने समाज, अपने देशवासियों के लिए मरता हूं। मुझे मेरे देश पर पूरा भरोसा है। इस सरकार ने देश को लूटा है, हम अब शांति से तभी बैठेंगे जब देश से भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। मैं चिंतित हूं कि कुछ असंवेदनशील लोगों द्वारा शाशित इस देश का क्या होगा, लेकिन हम उन्हें जनशक्ति द्वारा बदल सकते हैं। मैं नहीं कहता कि पूरा भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा, लेकिन कम से कम यह 40-50 प्रतिशत घट जाएगा। गरीब को फायदा होगा। स्वतंत्रता के लिए लाखों लोगों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया, लेकिन कुछ स्वार्थी लोगों के कारण हमें सही स्वतंत्रता नहीं मिली। वही लूट, वही भ्रष्टाचार, वही उपद्रवता अभी भी मौजूद है। इस सरकार में एक प्रभावी लोकपाल लाने की इच्छा नहीं है। मेरी मांगें बदलेंगी नहीं। आप मेरा सर काट सकते हैं, लेकिन मुझे सर झुकाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। देश को वास्तविक स्वतंत्रता आजादी के 64 साल बाद भी नहीं मिली और केवल एक बदलाव आया गोरों की जगह काले आ गए। सरकार का पैसा लोगो का पैसा है। लोगों के भले के लिए प्रभावी नीतियां बनाएं। वही लूट, वही भ्रष्टाचार, वही उपद्रवता अभी भी मौजूद है। सरकार जमीन कंपनियों को दे रही जो मजदूरों को लगाती है और उनका खून चूसती है। वे मजदूरों से कहती है तुम उत्पादन सुनिश्चित करो नहीं तो तुम अपना काम खो दोगे। इस सरकार में एक प्रभावी लोकपाल लाने की इच्छा नहीं है।

प्रेरक प्रसंग

नामुमकिन को कैसे मुमकिन बनायें ?

ब एक समय की बात है एक राजा के दो बेटे थे, उम्मेदसिंह और रघुवीर सिंह। एक बार दोनों राजकुमार जंगल में शिकार करने गए। रास्ते में एक विशाल नदी थी। दोनों राजकुमारों का मन हुआ कि क्यों ना नदी में नहाया जाये। यही सोचकर दोनों राजकुमार नदी में नहाने चल दिए। लेकिन नदी उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा गहरी थी। रघुवीर सिंह तैरते तैरते थोड़ा दूर निकल गया, अभी थोड़ा तैरना शुरू ही किया था कि एक तेज लहर आई और रघुवीर सिंह को दूर तक अपने साथ ले गयी। रघुवीर सिंह डर से अपनी सुध बुध खो बैठा गहरे पानी में उससे तैरा नहीं जा रहा था अब वो डूबने लगा था। अपने भाई को बुरी तरह फँसा देख के उम्मेदसिंह जल्दी से नदी से बाहर निकला और एक लकड़ी का बड़ा लट्ठा लिया और अपने भाई रघुवीर सिंह की ओर उछाला। लेकिन दुर्भागयवश रघुवीर सिंह इतना दूर था कि लकड़ी का लट्ठा उसके हाथ में नहीं आ पा रहा था। इतने में सैनिक वहां पहुँचे और राजकुमार को देखकर सब यही बोलने लगे – अब ये नहीं बच पाएंगे , यहाँ से निकलना नामुनकिन है।

यहाँ तक कि उम्मेदसिंह को भी ये अहसास हो चुका था कि अब रघुवीर सिंह नहीं बच सकता, तेज बहाव में बचना नामुनकिन है, यही सोचकर सबने हथियार डाल दिए और कोई बचाव को आगे नहीं आ रहा था। काफी समय बीत चुका था, रघुवीर सिंह अब दिखाई भी नही दे रहा था। अभी सभी लोग किनारे पर बैठ कर रघुवीर सिंह का शोक मना रहे थे कि दूर से एक सन्यासी आते हुए नजर आये उनके साथ एक नौजवान भी था। थोड़ा पास आये तो पता चला वो नौजवान रघुवीर सिंह ही था। अब तो सारे लोग खुश हो गए लेकिन हैरानी से वो सब लोग रघुवीर सिंह से पूछने लगे कि तुम तेज बहाव से बचे कैसे ? सन्यासी ने कहा कि आपके इस सवाल का जवाब मैं देता हूँ - ये बालक तेज बहाव से इसलिए बाहर निकल आया क्यूंकि इसे वहां कोई ये कहने वाला नहीं था कि यहाँ से निकलना नामुनकिन है इसे कोई हताश करने वाला नहीं था, इसे कोई हतोत्साहित करने वाला नहीं था। इसके सामने केवल एक लकड़ी का लट्ठा था और मन में बचने की एक उम्मीद और इसने प्रयत्न जारी रखा और बस इसीलिए ये बच निकला।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारे हे नाथ नारायण वासुदेव

द एक घड़ी की गलतसंगत से हंस के प्राण चले गये।

एक बार एक शिकारी शिकार करने गया, शिकार नहीं मिला, थकान हुई और एक वृक्ष के नीचे आकर सो गया।

पवन का वेग अधिक था, तो वृक्ष की छाया कभी कम-ज्यादा हो रही थी, डालियों के यहाँ-वहाँ हिलने के कारण।

वहीं से एक अति सुन्दर हंस उड़कर जा रहा था, उस हंस ने देखा कि यह व्यक्ति बेचारा परेशान हो रहा है, धूप उसके मुँह पर आ रही हैं तो ठीक से सो नहीं पा रहा है।

वह हंस पेड़ की डाली पर अपने पंख खोलकर बैठ गया ताकि उसकी छाँव में वह शिकारी आराम से सोये।

जब वह सो रहा था तभी एक कौआ आकर उसी डाली पर बैठा, इधर-उधर देखा और बिना कुछ सोचे-समझे शिकारी के ऊपर अपना मल विसर्जन कर वहाँ से उड़ गया।

तभी शिकारी उठ गया और गुस्से से यहाँ-वहाँ देखने लगा और उसकी नजर हंस पर पड़ी और उसने तुरंत धनुष बाण निकाला और उस हंस को मार दिया।

हंस नीचे गिरा और मरते-मरते हंस ने कहा:-

मैं तो आपकी सेवा कर रहा था, मैं तो आपको छाँव दे रहा था, आपने मुझे ही मार दिया? इसमें मेरा क्या दोष?

उस समय उस शिकारी ने कहा-- यद्यपि आपका जन्म उच्च परिवार में हुआ, आपकी सोच आपके तन की तरह ही सुंदर है।

आपके संस्कार शुद्ध हैं, यहाँ तक कि आप अच्छे इरादे से मेरे लिए पेड़ की डाली पर बैठ मेरी सेवा कर रहे थे

लेकिन आपसे एक गलती हो गयी, जब आपके पास कौआ आकर बैठा तो आपको उसी समय उड़ जाना चाहिए था।

उस दुष्ट कौए के साथ एक घड़ी की संगत ने ही आपको मृत्यु के द्वार पर पहुँचाया है।

इसलिए तुलसीदासजी लिखते हैं--

को न कुसंगति पाइ नसाई। रहइ न नीच मतें चतुराई।।

बुरी संगति से सब नष्ट हो जाता है नीच लोगों के विचार के अनुसार चलने पर चतुराई बुद्धि भी नष्ट हो जाती है।

शिक्षाः

संसार में संगति का सदैव ध्यान रखना चाहिये। जो मन, कार्य और बुद्धि से परमहंस हैं उन्हें कौओं की सभा से दूरी बनायें रखना चाहिये।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

भूलभुलैया

रानी मधुमक्खी को अपने घर तक पहुंचना है, लेकिन सामने की उलझनों को देख कर वह बहुत परेशान है. तुम्हें रानी मधुमक्खी की मदद करनी है, ताकि वह अपने घर तक पहुंच सके.

खोजो 05 अंतर

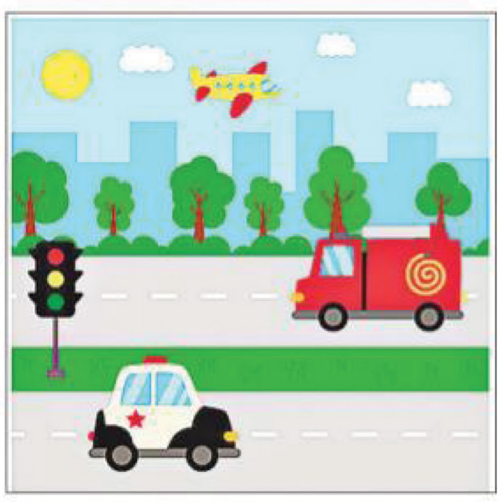

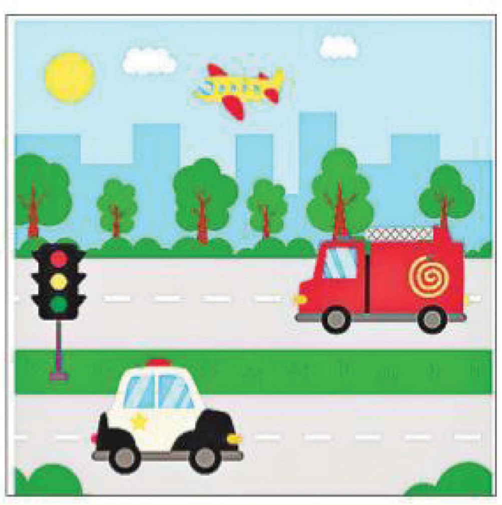

उत्तर : बादल, कार में बने स्टार का रंग, हवाई जहाज की दिशा, सड़क के किनारे अतिरिक्त घास, फायर ब्रिगेड की गाड़ी पर रखी सीढ़ी.

डॉट मिलाओ, चित्र बनाओ

इस तस्वीर में कुल 1 से 10 तक डॉट्स हैं, तुम्हें नंबर के अनुसार इन डॉट्स को मिलाना है. इन डॉट्स को पूरी तरह मिलाओ. फिर देखो कि कौन-सी आकृति बनती है. इसमें तुम रंग भी भर सकते हो.

दिलदार है ऑक्टोपस

तीन दिल है उसके पास

ऑक्टोपस समुद्र में पाए जाने वाले सबसे दिलचस्प जीवों में से एक है। अपनी अनूठी उपस्थिति और उल्लेखनीय क्षमताओं के कारण, यह वैज्ञानिकों और समुद्र प्रेमियों दोनों की कल्पना को आकर्षित करता है। ऑक्टोपस के सबसे आकर्षक पहलुओं में से एक है इसके तीन दिल, एक ऐसी विशेषता जो इसे अन्य जानवरों से अलग बनाती है।

नीलम रामअवध

एक यूनिक सर्कुलेटरी सिस्टम (परिसंचरण तंत्र) के लिए होते हैं तीन दिल

मनुष्यों के विपरीत, जिनके पास सिर्फ़ एक दिल होता है, ऑक्टोपस के पास तीन दिल होते हैं। ये दिल उसके जीवित रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दो दिल, जिन्हें ब्रांचियल हार्ट कहा जाता है, गलफड़े के पास स्थित होते हैं। उनका मुख्य काम गलफड़े के माध्यम से रक्त पंप करना है, जहां यह ऑक्सीजन उठाता है। तीसरा दिल, जिसे सिस्टमिक हार्ट के रूप में जाना जाता है, बड़ा होता है और शरीर के केंद्र में स्थित होता है। यह शरीर के बाकी हिस्सों में ऑक्सीजन युक्त रक्त पंप करता है, यह सुनिश्चित करता है कि ऑक्टोपस के सभी अंगों और मांसपेशियों को ठीक से काम करने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन मिले।

ऑक्टोपस को तीन दिलों की आवश्यकता क्यों होती है?

तीन दिलों की आवश्यकता ऑक्टोपस की जीवनशैली और जीव विज्ञान से बहुत निकटता से जुड़ी हुई है। ऑक्टोपस बहुत सक्रिय प्राणी हैं। वे तैरते हैं, शिकार करते हैं और कभी-कभी शिकारियों से जल्दी से बचकर भागना पड़ता है। इस उच्च स्तर की गतिविधि के लिए बहुत अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, यही कारण है कि एक कुशल परिसंचरण तंत्र आवश्यक है। ब्रांचियल हार्ट यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि गलफड़ों को लगातार ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है, जबकि सिस्टमिक हार्ट इस ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों में वितरित करता है। यह विभाजन ऑक्टोपस को अपनी उच्च ऑक्सीजन की मांग को अधिक कुशलता से पूरा करने में मदद करता है, जितना कि अगर उसके पास केवल एक दिल होता।

नीला रक्त: ऑक्सीजन परिवहन के पीछे का रहस्य

तीन दिल होने के अलावा, ऑक्टोपस में एक और अनोखी विशेषता है: नीला रक्त। मानव रक्त के विपरीत, जो आयरन बेस्ड हीमोग्लोबिन के कारण लाल होता है, ऑक्टोपस का रक्त नीला होता है क्योंकि इसमें हीमोसायनिन नामक एक कॉपर-आधारित प्रोटीन होता है। हीमोसायनिन ठंडे और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में ऑक्सीजन के परिवहन में हीमोग्लोबिन की तुलना में अधिक कुशल हैं, जैसे कि गहरे समुद्र में जहां कई ऑक्टोपस रहते हैं। यह अनुकूलन ऑक्टोपस के अक्सर कठोर और परिवर्तनशील आवास में जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण है।

बुद्धिमान और अनुकूलनीय

अपनी आकर्षक परिसंचरण प्रणाली से परे, ऑक्टोपस अपनी बुद्धिमत्ता के लिए जाना जाता है। यह सबसे बुद्धिमान अकशेरुकी जीवों में से एक है, जो पहेलियों को सुलझाने, औजारों का उपयोग करने और यहां तक कि बाड़ों से भागने में सक्षम है। ऑक्टोपस के शरीर के आकार के सापेक्ष एक बड़ा मस्तिष्क होता है और एक जटिल तंत्रिका तंत्र होता है, जो उन्हें इन उन्नत व्यवहारों को प्रदर्शित करने की अनुमति देता है। वे अपने परिवेश के साथ घुलने-मिलने के लिए रंग और बनावट भी बदल सकते हैं, एक ऐसा कौशल जो उन्हें शिकारियों से बचने और शिकार पर छिपकर हमला करने में मदद करता है।

> ऑक्टोपस की एक और अविश्वसनीय विशेषता खोए हुए अंगों को पुनर्जीवित करने की उनकी क्षमता है। यदि ऑक्टोपस किसी शिकारी के कारण अपना हाथ खो देता है, तो वह एक नया हाथ विकसित कर सकता है।

पुनर्जनन क्षमता

ऑक्टोपस की एक और अविश्वसनीय विशेषता खोए हुए अंगों को पुनर्जीवित करने की उनकी क्षमता है। यदि ऑक्टोपस किसी शिकारी के कारण अपना हाथ खो देता है, तो वह एक नया हाथ विकसित कर सकता है। इस प्रक्रिया को पुनर्जनन कहा जाता है और यह कुछ छिपकलियों की पूंछ को फिर से विकसित करने के समान है। नया हाथ पूरी तरह कार्यात्मक रूप से वापस बढ़ता है, जिसमें तंत्रिकाएं, मांसपेशियां और चूसने वाले अंग शामिल होते हैं।

शेर और खरगोश की लड़ाई

पंचतंत्र की कहानी

बहुत पुरानी बात है एक जंगल में खूंखार शेर राज किया करता है। राजा होने के कारण वह शेर जंगल के बाकी सारे जानवरों पर धौंस जमाता था और उनका शिकार करके उन्हें खा जाया करता था। कई बार वह एक या दो नहीं, बल्कि कई जानवरों को मार दिया करता था। इस बात से जंगल के सभी जानवर बहुत परेशान थे। उन्हें डर लगता था कि इस तरह एक दिन शेर जंगल के सारे जानवरों को खा जाएगा। इस बात का हल निकालने के लिए सभी जानवरों ने फैसला किया कि वो जाकर शेर से बात करेंगे और उसे समझाने की कोशिश करेंगे।

इस फैसले के बाद हिम्मत करके दूसरे दिन सभी जानवर शेर के पास गए। शेर अपनी गुफा में आराम कर रहा था। उन सभी के आने के कारण उसकी नींद खुल गई। उन सभी को एक साथ देखकर शेर गुस्से से बोला, "तुम सभी एक साथ यहां क्या कर रहे हो? मैंने कोई दावत रखी है क्या?"

इस बात पर जानवर दल का सरदार बोला, "महाराज, हम सभी यहां आपसे एक विनती करने आए हैं। दरअसल, आप जब भी शिकार पर निकलते हैं, तो एक साथ कई जानवर मार देते हैं, जिनमें से कई को आप खा भी नहीं पाते। आपके ऐसा करने से हमारी संख्या कम होती जा रही है और आपकी प्रजा छोटी होती जा रही है। अगर यूं ही चलता रहा, तो एक दिन आपके राज्य में एक भी जानवर नहीं बचेगा और जब प्रजा ही नहीं होगी, तो राजा भला किस पर राज करेगा? इसलिए, आपको सदैव अपना राजा बनाए रखने के लिए, हमने आपके भोजन का इंतजाम करने के लिए योजना बनाई है। हमारा सुझाव यह है कि आप शिकार पर न निकला करें, बल्कि हम खुद रोज एक जानवर आपकी गुफा में भेज दिया करेंगे। इस तरह रोज आपका भोजन भी हो जाएगा, आपको मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी और आपकी प्रजा को भी राहत रहेगी।"

शेर को जानवरों की योजना सही लगी और उसने कहा, "ठीक है। मुझे तुम्हारा सुझाव मंजूर है, लेकिन एक बात का ध्यान रखना। अगर किसी दिन मेरा भोजन आने में देर हुई या भोजन कम आया, तो मैं जितने चाहूं, उतने जानवरों को मार डालुंगा।" जानवरों ने उसकी बात पर सहमति जताई और वापस अपने घर को लौट आए।

उस दिन के बाद से हर रोज एक जानवर शेर की गुफा में पहुंच जाता और शेर उसे मारकर अपना भोजन बना लेता। यूं ही चलते-चलते एक दिन खरगोश की बारी आई। वह बहुत छोटा था, लेकिन चतुर भी था। उसने सोचा कि रोज शेर के हाथों एक जानवर मारा जाता है। यह तो गलत है। इस परेशानी का समाधान करने के लिए कोई चाल चलनी पड़ेगी, तभी उसके दिमाग में एक आइडिया आया।

वह धीरे-धीरे, घूमता-फिरता शेर की गुफा तक पहुंचा। वहां पहुंच कर उसने देखा कि शेर गुस्से से आग बबूला हो रखा है। शेर ने जैसे ही खरगोश को देखा, उसका गुस्सा बढ़ गया और वह दहाड़ कर बोला, "तुम जरा से खरगोश मेरा पेट भरने आए हो और ऊपर से इतनी देरी से आए हो? पता है मुझे कितनी जोर से भूख लगी है। कहां मर गए थे और तुमसे मेरा पेट कैसे भरेगा?"

शेर को तिमिलाया हुआ देख खरगोश बोला, "महाराज, मैं आपकी सेवा में अकेला नहीं आ रहा था, बल्कि मेरे साथ, मेरे पांच साथी और भी थे, लेकिन मगर महाराज, रास्ते में हमे एक और शेर मिल गया, जो हमे खाने की जिद करने लगा। वह मेरे साथियों को मारकर खा गया। मैं किसी तरह अपनी जान बचा कर यहां आया हूं।"

यह सुन कर शेर और ज्यादा गुस्सा हो गया। वह बोला, "एक और शेर? कौन है वह और मेरे जंगल में क्या कर रहा है?"

खरगोश ने कहा, "महाराज, वह बहुत बड़ा शेर है और जब मैंने उससे कहा कि तुम हमारे महाराज का भोजन खा रहे हो, तो वह बोला, "आज से मैं तुम्हारा महाराज हूं और मेरे अलावा इस जंगल में कोई और शेर नहीं रह सकता। मैं सब को मार डालुंगा। फिर आपको लड़ाई के लिए ललकारने के लिए उसने मुझे यहां भेज दिया।"

"अच्छा? ऐसी बात है? तो मैं भी तो देखूं कि ये कौन शेर है, तो जो मेरे जंगल में आकर मुझे ही ललकार रहा है। ले चलो मुझे उसके पास," शेर ने गरजकर बोला और खरगोश के साथ चल दिया।

खरगोश उसे जंगल के बीच मौजूद एक कुएं के पास ले गया और बोला, "महाराज, वो इस गड्ढे के नीचे गुफा में रहता है। आपको आता देख शायद वह अंदर घुस गया।"

दूसरे शेर को देखने के लिए जैसे ही शेर ने कुएं में झांका, तो उसे अपनी परछाई दिखी और उसने समझा कि वह दूसरा शेर है। इसके बाद उसने दूसरे शेर को ललकारने के लिए जब दहाड़ मारी, तो उसी की दहाड़ गूंजकर उसे सुनाई दी, लेकिन उसे लगा कि वह दूसरा शेर भी उसे ललकार रहा है।

बस इतने में शेर को गुस्सा आया और उसने कुएं में छलांग लगा दी। छलांग लगाते ही शेर कुएं की दीवार से टकराया और पानी में गिरकर मर गया। यह खबर जब जंगल के बाकी जानवरों को मिली, तो सारे बहुत खुश हुए और खरगोश की जय जयकार करने लगे।

कहानी से सीख : बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी दिमाग शांत रखने से हर कठिनाई को आसानी से सुलझाया जा सकता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। दुःखद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा।

वृष सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी।

सिंह कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे।

कन्या वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा।

तुला नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा।

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। पारिवारिक, मांगलिक कार्य की योजना बनेगी।

कुंभ शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा।

मीन विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन होंगे।

रोग निवारण हेतु उपाय

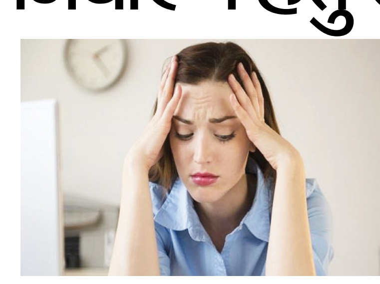

1) कृष्ण पक्ष में चमकीला काला कपडा,उड़द तथा एक रुपये का सिक्का दान करें।

2)पारिवारिक कलह हो तो - सभी दरवाजों पर गंगाजल छिडके ध्यान रखे की छीटे स्वयं पर ना पड़े।

3) स्मरण शक्ति बढाने हेतु -गुरूवार के दिन इमली के पत्ते पुस्तकों में रखे।

4) शीघ्र विवाह हेतु -शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से पांच रुपये की जलेबी 21 मंगलवार को हनुमान मंदिर में हनुमान जी के सम्मुख रख कर जाए।

5) बच्चों के स्वस्थ हेतु -

1) गोमती चक्र का पेंडल बच्चे के गले में पहनाये।

2) प्रत्येक मंगलवार कच्चा दूध 7 बार उतारा कर कुत्ते को पिला दे।

7) धन लाभ हेतु -

1) एक शीशी में शहद भरकर 11 दाने सफ़ेद गूंजा डाल कर श्री सूक्त के, 11 पाठ पढ़े,खीली हुई खील तथा कमलगट्टे से 16 आहुति हवन करे शीशी को व्यापर स्थल रख दे तथा श्रीसूक्त का पाठ नित्य करे।

3) इमली की टहनी गल्ले में रखे।

4) जलकुम्भी गुरुवार को लाकर पीले कपड़े में बांधकर घर के ईशान कोण में लटका दे सप्ताह बाद बदलते रहे ऐसा 7 गुरुवार करें।

8) संतान प्राप्ति हेतु -

पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में बरगद के पेड़ की जड़ धागे से भुजा पर पहने।

9) सुख समृधि हेतु -

पुष्य नक्षत्र में सफ़ेद आक की जड़ दाई भुजा में बांधे।

पूरे वर्ष हर शुक्रवार को भूखे व्यक्ति को भोजन व हर रविवार को गाय को गुड खिलाये।

11) योग्यतानुसार काम ना मिलने पर सोमवार को फिटकरी तवे पर फुलाकर 7 बार सिर से उतारा कर गंदे पानी में बहाए।

2) एक बेदाग़ नींबू चार बराबर टुकड़ों में कर चौराहे की चारों दिशा में फ़ेंक आये तथा पीछे मुड़ कर ना देखें।

12) अनिच्छा हेतु

3) गुरुवार के दिन केले की जड़ पीले कपड़े में बांधकर 1 माला ॐ ग्राम ग्रीम ग्रो सा गुरुवे नमः की जपे।

3) दो लोंग एक कपूर का टुकड़ा 3 बार गायत्री मंत्र पढ़ अभी मंत्रित करे फिर जला दे (पुरबमुखी होकर) गायेत्री मंत्र करते रहे फिर भस्म दिन में दो बार जीभ पर लगाये।

13) धनप्राप्ति हेतु -

श्यामा तुलसी के आसपास की घास किसी गुरुवार के दिन लेकर पीले कपड़े में बांध कर लक्ष्मी का ध्यानकर धूप दीप कर तिजोरी अथवा व्यापार स्थल में रखे।

15)नज़र दोष

1) फिटकरी को 21 बार उतारा कर चूल्हे में जलादे (तीन बार सुबह दोपहर शाम)

2) गल्ले के नीचे काली गूंजा रखे।

3) शुक्ल पक्ष से 11 गुरूवार व्यापार स्थल के मुख्य द्वार के एक कोने को गंगाजल से धो ले उसमें स्वस्तिक बनाकर उसमें गुड चने की दाल रखे इसे बार बार देखे (खराब होने पर जलप्रवाह करें)11 गुरुवार के बाद गणेश जी को सिंदूर लगाकर पांच लड्डू अर्पित कर कहे 'जय गणेश काटो कलेश'।

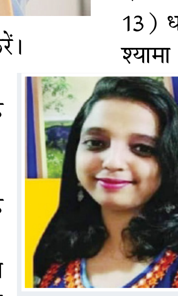
प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

जयपुर कलक्टर हुए हादसे का शिकार

जयपुर। जयपुर कलक्टर की कार को दोपहर में एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। कलक्टर की कार को जब टक्कर मारी गई तो कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित उस समय कार में बैठे हुए थे। तभी कलक्टर की कार टक्कर के बाद अनकंट्रोल हो गई और डिवाइडर पर चढ़कर रूक गई। गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और इस हादसे में कलक्टर व उनके ड्राइवर बाल बाल बच गए। सूचना मिलने पर दूदू पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेलर को जब्त कर लिया।

रेलवे में क्लर्क की नौकरी का झांसा देकर ठगी

जालोर: एक युवक को रेलवे में क्लर्क की नौकरी का झांसा देकर 16 लाख रुपए ठगे गए। ठगी का यह सिलसिला 11 माह तक चलता रहा और आखिरकार अब मामला दर्ज हुआ है। डावल निवासी घेवरचंद पुत्र फताराम मेघवाल ने चितलवाना थाने में ठगी के इस मामले में 4 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज करवाया है। डावल निवासी घेवरचंद पुत्र फताराम मेघवाल ने 31 मई 2023 से लेकर मई 2024 की शुरुआत तक हुई 16 लाख रुपए की इस ठगी में क्रमशः डावल निवासी कानाराम पुत्र आईदानाराम, हिंगोटा (दौसा) निवासी राजेंद्र पुत्र चमनलाल, डावल निवासी रामकिशन और किशोर कुमार के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज किया है।

डीजे के बड़े-बड़े स्पीकरों के नीचे दबने से बालक की दर्दनाक मौत

कोटा। कैथूनीपोल थाना क्षेत्र स्थित रेतवाली में शुक्रवार सुबह डीजे गाड़ी से हुए दर्दनाक हादसे में एक 11 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट में डीजे मालिक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। बैरागी समाज के युवा जिलाध्यक्ष त्रिलोक बैरागी ने बताया कि कैथूनीपोल थाने के पीछे अनिल बैरागी का परिवार रहता था। शुक्रवार सुबह 9.30 बजे करीब अनिल के 11 वर्षीय बेटा नितिन बैरागी को कैथूनीपोल क्षेत्र का ही डीजे संचालक गोलू पैसे का लालच देकर डीजे गाड़ी में पीछे बिठाकर साइड पर ले जा रहा था। रेतवाली क्षेत्र में एक मकान के छज्जे से डीजे गाड़ी पर जमे स्पीकर टकरा गए। इससे नितिन गाड़ी से नीचे गिर गया और उसके ऊपर भारी भरकम दो-तीन स्पीकर गिर गए। स्पीकर गिरने से नितिन का सिर फट गया ओर मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक गाड़ी को छोडकर भाग गया। गम्भीर हालत में बालक को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

सीएम योगी के जीरो टॉलरेंस नीति के आधार पर विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार और कार्य में लापरवाही के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के मद्देनज़र चकबंदी विभाग ने दो जिलों के चकबंदी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। शासन द्वारा मीरजापुर और बांदा के चकबंदी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं मैनपुरी में भी चकबंदी से जुड़े आधा दर्जन अधिकारी और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। बांदा और मीरजापुर के दोनों निलंबित चंकबंदी अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। मैनपुरी के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ भी विभागीय जांच और कारण बताओ नोटिस जारी की गई है।

अधिकारी और कर्मचारियों पर गिरी गाज

- बांदा और मीरजापुर के चकबंदी अधिकारी निलंबित
- कार्य में अनियमितत, पद का दुरुपयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई
- चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ दिए जांच के आदेश

अनुशासनिक कार्यवाही के आदेश

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि बांदा में वित्तीय वर्ष 2023-24 में धारा-27 व 52 के तहत ग्राम उमरेंहडा का कार्य पूर्ण न करने, ग्राम बहिंगा में सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर सृजित चकों की त्रुटियों का निराकरण कर कार्य आगे बढ़ाने के बजाय ग्राम को सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर प्रत्यावर्तित करने के कारण चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप को निलंबित कर दिया गया है। उन पर सीसीएमएस पोर्टल के माध्यम से न्यायालय न चलाने और ग्राम उमरेंहडा के गाटा संख्या-1331 का रकबा बन्दोबस्त से अधिक बढ़ाने जैसी अनियमितताओं के लिए निलम्बित किया गया है। उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही के आदेश दिए गए हैं। इसी तरह मीरजापुर में ग्राम नवैया की चक संख्या-950 आदि से मृतक शेषनरायन सिंह की वरासत मनमाने तौर पर बिना जांच चार बार पृथक-पृथक आदेश पारित कर पद का दुरुप्रयोग करने और वाद संख्या-174, धारा-12 में बिना दस्तावेज का सम्यक परीक्षण और जांच के नामान्तरण आदेश पारित करने के लिए चकबंदी अधिकारी राजेन्द्र राम को निलम्बित कर विभागीय कार्यवाही के आदेश दिए गए हैं।

मैनपुरी में एडीएम एफआर को कारण बताओ नोटिस

दूसरी ओर मैनपुरी में चकबंदी अधिकारी मोहम्मद साजिद, चकबंदी कर्ता काली चरण और रविकांत, चकबंदी लेखपाल अमित कुमार और अजय कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है। इसके अलावा मैनपुरी के ही उप संचालक चकबंदी-एडीएम एफआर रामजी मिश्र को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। इन सभी के खिलाफ कार्य में लापरवाही का आरोप है।

योगी के अहम प्रोजेक्ट पर ग्रहण

गंगा की दिशा बदलने वाली परियोजना की ही दशा बिगड़ी

एजेंसी । बलिया

यूपी के बलिया को गंगा की कटान से बचाने के लिए नदी की दिशा बदलने की जिस परियोजनाओं पर पूरे तामझाम से काम शुरू हुआ था उसकी ही दशा बिगड़ गयी है। करीब 31 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रेजिंग परियोजना का फिलहाल कोई पूछनहार नहीं है। इसे धरातल पर उतारने के लिए शासन ने कार्यदायी संस्था में बदलाव भी किया गया। इसके बावजूद नतीजा सिफर रहा। सितंबर, 2019 में गंगा ने जिले में भयंकर तबाही मचाई थी। बैरिया तहसील में गोपालपुर ग्राम पंचायत के सौ से अधिक मकान नदी में समा गये थे। गंगा पार नौरंगा पंचायत में प्रधानमंत्री योजना के तहत बनी सड़क का बड़ा हिस्सा भी इसमें विलीन हो गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण के बाद जिले को कटान से स्थायी छुटकारा दिलाने के लिए गोरखपुर की तर्ज पर नदी की धारा मोड़ने को यहां भी ड्रेजिंग कार्य कराने की घोषणा की थी। संबंधित अधिकारियों ने प्रोजेक्ट तैयार किया और शासन ने तुरंत इसकी मंजूरी भी दे दी।

लगभग 31 करोड़ की परियोजना

कुल 30 करोड़ नौ लाख (लगभग 31 करोड़) रुपये की परियोजना में गंगा की धारा मोड़ने के लिए मौजा पचरुखिया से नौरंगा तक नदी में 13.6 किमी लंबाई में ड्रेजिंग कार्य प्रस्तावित था। ऊपरी सिरे पर 46 तथा निचले सिरे पर 40 मीटर चौड़ाई के बीच गंगा को ड्रेज करना था। इसके अलावा गहराई में जलस्तर के चार मीटर नीचे तक मिट्टी खोदी जानी थी। निविदा प्रक्रिया पूरी कर कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग के बैराज खंड (वाराणसी) ने 29 मई, 2020 को पहले चरण में तीन किमी लंबाई में काम शुरू भी कर दिया। काम पूरा होने से पहले ही बाढ़ आ गयी। लिहाजा, गंगा से निकाली गई मिट्टी फिर पुरानी जगह पर पहुंच गई। कार्यदायी संस्था ने इस काम में करीब सात करोड़ रुपये का खर्च दिखाया। लेटलतीफी और नुकसान के बाद शासन ने कड़ा रुख अख्तियार किया। वर्ष 2021 में यह काम बैराज खंड से लेकर यूपीपीसीएल (उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड) के हवाले कर दिया गया।

सीएम योगी की महत्वाकांक्षी योजना पर लगा ग्रहण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 17 सितंबर, 2019 को बाढ़ से तबाही का जायजा लेने बलिया आये थे। दयाछपरा पानी टंकी के मैदान में सभा में उन्होंने नदी की धारा मोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना का जिक्र किया। उन्होंने इस दिशा में काम के लिए अफसरों को प्रोजेक्ट बनाने को कहा था। बहरहाल, शासन के जिम्मेदार अफसरों की उदासीनता-लापरवाही से सीएम की महत्वाकांक्षी योजना पर ग्रहण लग गया है। हर साल करोड़ों खर्च करने के बाद भी प्रभावित क्षेत्रों मे गंगा की कटान पर अंकुश नहीं लग पाया है।

गोरखपुर की तर्ज पर जिले में होना था काम

गोरखपुर की तर्ज पर जिले में भी गंगा की धारा मोड़ने का काम होना था। दरअसल, गोरखपुर में राप्ती की कटान से हर साल भारी तबाही होती है। स्थायी समाधान के लिए नदी की धारा मोड़ने की दिशा में काम किया गया। इसका फायदा हुआ और लोगों का कटान से निजात मिली। गोरखपुर की तर्ज पर ही बलिया में भी गंगा की धारा मोड़ने के लिए ड्रेजिंग कराने का निर्णय किया गया। कटान प्रभावित क्षेत्र के लोगों के अनुसार यदि कार्य पूरा हो गया होता तो हजारों की आबादी के साथ ही सैकड़ों एकड़ उपजाऊ भूमि कटान से सुरक्षित हो जाती। अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड बलिया संजय कुमार मिश्र के अनुसार गंगा में ड्रेजिंग का कार्य पहले बैराज खंड वाराणसी और उसके बाद यूपीपीसीएल के जिम्मे था।

दुल्हन ने तोड़ दी शादी

दूल्हे ने शराब के नशे में दी गालियां फिर स्टेज पर चढ़कर फूंकने लगा गांजा

एजेंसी । भदोही

भदोही से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक दूल्हे ने शराब के नशे में गाली-गलौज की और फिर स्टेज पर जाकर गांजा फूंकने लगा। जब दुल्हन ने दूल्हे की ये हरकत देखी तो उसने शादी करने से ही इनकार कर दिया। युवती की इस कदम के बाद कन्या पक्ष के लोगों ने दूल्हे, उसके पिता को दादा को बंधक बना लिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सुलह कराने के बाद वर पक्ष को मुक्त करा दिया।

पूरा मामला समझें

ये मामला कोतवाली क्षेत्र का है। फत्तूपुर क्षेत्र की शीला देवी की बेटी पिंकी की शादी जौनपुर जिले के जयरामपुर के तहसीलदार गौतम से तय थी। जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात बारात पहुंची तो दूल्हा शराब के नशे में था। यहां स्टेज पर गाली-गलौज कर रहा था। दुल्हन की मां शीला देवी के मुताबिक यह देखकर कुछ लोग मंच के पास पहुंचे तो दूल्हा उतरकर नीचे चला गया और मंच के पीछे कुछ बैंड-बाजे वालों के साथ गांजा फूंकता दिखाई दिया। वधू पक्ष के लोगों ने जब इसका विरोध किया तो दूल्हा मंच पर आकर गांजा पीने लगा। इससे नाराज दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। इसे लेकर वर पक्ष और वधू पक्ष के बीच रातभर हंगामा होता रहा।

किसानों के 2 लाख रुपए तक के लोन होंगे माफ

एजेंसी । रांची

झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा है कि किसानों के दो लाख रुपए तक के लोन (ऋण) माफ किये जाएंगे। इसके लिए उन्होंने सभी बैंकों से प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा है। 31 मार्च 2020 तक किसानों द्वारा 50 हजार से लेकर दो लाख तक लिए गए लोन वन टाइम सेंटलमेंट के माध्यम से माफ किए जाएंगे। इसके लिए सभी बैंकों से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। मंत्री बादल पत्रलेख शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित सभागार में राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारियों के साथ केसीसी लोन समेत कृषि कार्य के लिए किसानों द्वारा लिए गए लोन की माफी योजना को लेकर बैठक कर रहे थे।

4 लाख 73 हजार से ज्यादा किसानों को मिल चुकी है राहत

कृषि मंत्री बदाल पत्रलेख ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने वादे के मुताबिक ऐसे किसानों को राहत दी है, जो बैंक लोन की वजह से चिंता में डूबे हुए थे। झारखंड के करीब 4 लाख 73 हजार से ज्यादा किसानों के 50 हजार रुपए तक के लोन माफ किये जा चुके हैं। इस मद में सरकार द्वारा 1900 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि बैंकों को दी गयी है।

अयोध्या राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी । अयोध्या

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की राम मंदिर को उड़ाने (Ayodhya Ram Mandir Threat) की धमकी के बाद अयोध्या हाई अलर्ट पर है. राम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. इसके अलावा महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट व अन्य प्रमुख स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को भी बढ़ाया गया है. एसएसपी राज करण नय्यर ने स्वयं एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया है. उन्होंने बताया कि राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है. अलग-अलग जोन बनाकर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है. सभी अलर्ट मोड पर हैं.

महिला से सामूहिक दुष्कर्म

पहले भी जेल की हवा खा चुके सभी आरोपी

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पुलिस ने गैंगरेप के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों के द्वारा विवाहिता के घर में जबरन घुसकर उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया, उस वक्त पीड़िता के पति और पुत्र किसी काम से बाहर गए हुए थे। जिसका फायदा उठाते हुए आरोपियों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस ने सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

सेंसेक्स में आया उछाल, निफ्टी भी 23,465 के लेवल के साथ नए शिखर पर

एजेंसी । नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के पांचवें और आखिरी दिन नए रिकॉर्ड के साथ बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स जहां 76990 के लेवल को पार कर नई ऊंचाई पर पहुंचा। वहीं एनएसई निफ्टी भी 23,465 के लेवल के साथ नए शिखर को छुआ। कल बंबई स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सेंसेक्स 181.87 अंक यानी कि 0.24 प्रतिशत बढ़कर 76,992.77 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 66.70 अंक यानी कि 0.29 प्रतिशत बढ़कर 23,465.60 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बंबई स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सेंसेक्स 181.87 अंक यानी कि 0.24 प्रतिशत बढ़कर 76,992.77 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 66.70 अंक यानी कि 0.29 प्रतिशत बढ़कर 23,465.60 के स्तर पर बंद हुआ।

करीब 2177 शेयरों में तेजी आई

कारोबार के अंत में करीब 2177 शेयरों में तेजी आई, वहीं 1598 शेयरों में गिरावट आई और जबकि, 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस दौरान निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज्यादा लाभ पाने वाले शेयरों में आयशर मोटर्स, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, अदानी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस और टाइटन शामिल हैं। जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो और नेस्ले के शेयर लाल निशान पर रहे।

रुपए में आई गिरावट

शुक्रवार को भारतीय रुपए गुरुवार के बंद के मुकाबले 2 पैसे गिरकर 83.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सुबह रुपया 83.54 प्रति डॉलर पर स्थिर खुला था। जबकि कल सुबह रुपया 83.52 प्रति डॉलर पर खुला था और शाम को 83.54 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था। बता दें कि, सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला था। इस दौरान सेंसेक्स 77.89 अंक यानी कि 0.10 प्रतिशत बढ़कर 76,888.79 के स्तर पर खुला था। वहीं निफ्टी 24.60 अंक यानि कि 0.11 प्रतिशत बढ़कर 23,423.50 के स्तर पर खुला था।

मस्क के 3.7 लाख करोड़ पैकेज को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी

एजेंसी । टेक्सास

टेस्ला के शेयरहोल्डर्स ने CEO इलॉन मस्क के 45 बिलियन डॉलर (करीब 3.7 लाख करोड़ रुपए) के पैकेज को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को वोट के रिजल्ट घोषित किए गए। बीते दिनों मस्क के इस पैकेज को कुछ शेयर होल्डर्स ने डेलावेयर कोर्ट में चैलेंज किया गया था। पैकेज को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी मिलने के बाद इलॉन मस्क काफी खुश दिखाई दिए। टेस्ला के हेडक्वार्टर में एनुअल मीटिंग के दौरान स्टेज पर आकर मस्क ने कहा- 'मैं बस यह कहकर शुरुआत करना चाहता हूं, अरे, मैं आप लोगों से प्यार करता हूं!

मस्क को सपोर्ट करने वाले लोगों के लिए राहत

मस्क को सपोर्ट करने वाले लोगों के लिए यह रिजल्ट राहत भरा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्हें डर था कि अगर ये पैकेज रिजेक्ट होता है तो मस्क टेस्ला के मैनेजमेंट में कम समय बिताएंगे या यहां तक कि कंपनी छोड़ने का भी फैसला ले सकते हैं। एआरके इन्वेस्ट में इन्वेस्टमेंट एनालिसिस के डायरेक्टर ताशा कीनी ने कहा- मुझे लगता है कि मस्क का टॉप पर बना रहना जरूरी है। वहीं यह फैसला उन निवेशकों के लिए एक झटका है जिन्हें उम्मीद थी कि मस्क का पैकेज रिजेक्ट होने से CEO की पेमेंट की लिमिट को लेकर एक मैसेज जाएगा। निया इम्पैक्ट कैपिटल के फाउंडर और चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर क्रिस्टिन हल ने कहा, अमेरिका में हमने जितना देखा है ये उससे अधिक वेतन पैकेज है और मुझे नहीं लगता कि यह एक अच्छी मिसाल कायम करता है।

थोक महंगाई दर मई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 2.61 फीसदी पर

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण थोक महंगाई में लगातार तीसरे महीने इजाफा हुआ है। थोक महंगाई दर मई में सालाना आधार पर उछलकर 15 महीने के उच्चतम स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अप्रैल में यह 1.26 फीसदी थी।

फरवरी में थोक महंगाई दर 0.20 फीसदी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर मई महीने में 2.61 फीसदी रही है। पिछले साल मई में थोक महंगाई दर -3.61 फीसदी रही थी। अप्रैल में यह 1.26 फीसदी रही थी, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। हालांकि, इससे पिछले महीने मार्च में यह 0.53 फीसदी थी, जबकि फरवरी में थोक महंगाई दर 0.20 फीसदी थी।

मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 फीसदी रही

मंत्रालय ने मई में थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के निर्माण, कच्चे पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल और अन्य विनिर्माण की कीमतों में वृद्धि बताया है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई मई में 9.82 फीसदी बढ़ी, जबकि अप्रैल में यह 7.74 फीसदी थी। मई में सब्जियों की महंगाई दर 32.42 फीसदी रही, जो अप्रैल में 23.60 फीसदी थी। इसी तरह प्याज की महंगाई दर ((58.05 फीसदी रही, जबकि आलू की महंगाई दर 64.05 फीसदी रही।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सीईओ आशीष चौहान ने वित्त मंत्री से मुलाकात की

एजेंसी । नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष चौहान ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष चौहान ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय कार्यालय) में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण

से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज देश का सबसे बड़ा और तकनीकी रूप से अग्रणी स्टॉक एक्सचेंज है। इसकी स्थापना 1992 में हुई थी, जो देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित है। कारोबार के लिहाज से यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है।

एडब्ल्यूएस ने जेनएआई स्टार्टअप के लिए 23 करोड़ डॉलर के कोष की घोषणा की

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने अपने वैश्विक सृजनात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (जेन-एआई) प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत जेनएआई स्टार्टअप फर्मों के लिए 23 करोड़ डॉलर का कोष बनाने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम एक अक्टूबर से शुरू होगा और 10 सप्ताह तक चलेगा। इसका मकसद एशिया-प्रशांत और जापान (एपीजे) क्षेत्र से 20 और कुल मिलाकर 80 स्टार्टअप फर्मों एवं उनके संस्थापकों की मदद करना है। एडब्ल्यूएस ने एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम के लिए

चयनित जेनएआई स्टार्टअप को 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक के एडब्ल्यूएस क्रेडिट, कौशल विकास सत्र, व्यवसाय तथा तकनीकी सलाह और नेटवर्किंग के अवसर मिलेंगे। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग सहायक कंपनी एडब्ल्यूएस ने एशिया-प्रशांत एवं जापान क्षेत्र के लिए एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई स्पॉटलाइट कार्यक्रम भी शुरू किया है। चार हफ्तों के इस कार्यक्रम में बिल्कुल शुरुआती दौर के 120 स्टार्टअप को सलाह एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा।

रोहित की टीम अपने आखिरी लीग मुकाबले में पहली बार कनाडा से टकराएगी ● बारिश डाल सकती है खलल ● कोहली पर रहेगी निगाह

जीत का चौका लगाने उतरेगा भारत

नंबर गेम

- 96 सर्वाधिक रन भारत की ओर से पंत ने 48 की औसत से बनाए हैं
- 7 सात सबसे ज्यादा विकेट टीम के लिए हार्दिक और अर्शदीप ने चटकाए हैं

एजेंसी । लॉडरहिल

भारतीय टीम विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में शनिवार को कनाडा पर विजय के साथ जीत का चौका लगाने उतरेगा। रोहित सेना साथ ही यह उम्मीद भी करेगी कि मुकाबले में बारिश खलल न डाल दे। फ्लोरिडा के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। टीम इंडिया पहले ही सुपर-आठ का टिकट कटा चुकी है। मुकाबले में सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली पर रहेगी। दोनों टीमों के बीच यह पहली टक्कर होगी।

पांच रन बना पाए हैं कोहली

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली विश्व कप में आए थे। लेकिन शुरुआती मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वह अब अब तीन मैच में 1.66 के औसत से पांच ही रन बना पाए हैं। इसमें अमेरिका के खिलाफ 'गोल्डन डक' (पहली गेंद पर खाता खोले बिना आउट होना) भी शामिल है।

बदलेगा भाग्य

भारतीय टीम न्यूयॉर्क से 1850 किमी की यात्रा करके फ्लोरिडा पहुंची है। उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य भी बदलेगा। ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले। जहां की पिच पर असमान उछाल था और धीमे आउटफील्ड के कारण क्रिकेट से अधिक मैदान और पिच की चर्चा हो रही थी। कोहली पर से हालांकि इस तथ्य से दबाव कुछ कम होगा कि उनके खराब प्रदर्शन का असर टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा है।

पंत कर रहे अपना काम

कप्तान रोहित के साथ पारी का आगाज कर रहे कोहली के जल्दी आउट होने से हालांकि टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही। इससे बाद में आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है। पंत और सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज हालांकि कोहली के खराब प्रदर्शन की भरपाई करने में काफी हद तक सफल रहे हैं। पंत ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ क्रमश: 36 और 42 रन की पारियां खेलकर दोनों मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने खराब शुरुआत से उबरते हुए अमेरिका के खिलाफ अर्धशतक जड़ा। शिवम दुबे ने भी 31 रन बनाए। इससे सैमसन और यशस्वी पर तरजीह मिलने की उम्मीद है।

गेंदबाज कर रहे कमाल

अगर भारत जशस्वी को मौका देता है तो वह पारी का आगाज करेंगे। ऐसे में कोहली को अपने तीसरे नंबर पर लौटना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को भले ही न्यूयॉर्क की 'ड्रॉप इन पिचों' (दूसरी जगह तैयार करके लाई गई पिचें) पर जूझना पड़ा हो लेकिन उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह, हार्दिक और अर्शदीप सिंह की तिकड़ी ने विरोधी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। हार्दिक और अर्शदीप का प्रदर्शन टीम प्रबंधन के लिए राहत भरा है। टीम को हालांकि सिराज (एक विकेट) और जडेजा (विकेट नहीं) से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

कुलदीप-चाहल को मिल सकता है मौका

भारतीय टीम कनाडा के खिलाफ कुलदीप या चाहल या फिर दोनों को मौका देने के बारे में सोच सकती है। ऐसी स्थिति में जडेजा और अक्षर को ब्रेक देना पड़ सकता है। अक्षर ने गेंद और बल्ले दोनों aसे अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे गेंदबाजी इकाई को कैरेबियाई पिचों के लिए तैयारी का मौका मिलेगा जहां की पिचों से स्पिनरों को अधिक मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं कनाडा ने आयरलैंड के खिलाफ 12 रन की जीत के साथ अपनी क्षमता दिखाई है। सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन जैसे खिलाड़ी विरोधी टीम को हैरान करने में सक्षम हैं। हालांकि कनाडा के बल्लेबाजों के लिए भारत की मजबूत टीम को हराना आसान नही होगा।

दक्षिण अफ्रीका बनाम नेपाल

लगातार चौथी जीत दर्ज करने मैदान पर उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

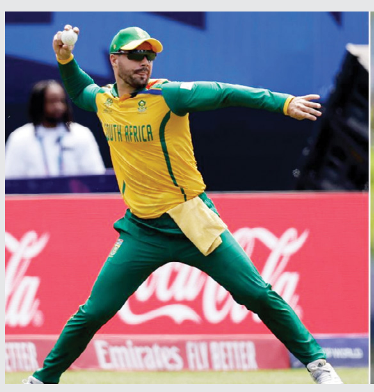

किंग्सटाउन। टी20 विश्व कप 2024 में दक्षिण अफ्रीका की टीम शानदार प्रदर्शन कर रहीहै। टीम पहले ही जीत की हैट्रिक लगाकर सुपर आठ जगह बना चुकी है। अब आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में साउथ अफ्रीका का शनिवार 15 जून को नेपाल के साथ मैच है, जहां टीम नेपाल को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में आठ विकेट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे सफल गेंदबाज एनरिच नोर्किया बेहतरीन फॉर्म में हैं और नेपाल के बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना आसान नहीं होगा। अब तक कगिसो रबाडा, मार्को यानेसन और ओटनील बार्टमैन ने तेज गेंदबाजी विभाग में नोर्किया का अच्छा साथ निभाया है जबकि स्पिनर विभाग में दारोमदार अनुभव केशव महाराज के कंधों पर रहा है।

महाराज ने पिछले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 20वां ओवर करते हुए दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई थी। दक्षिण अफ्रीका को साथ ही उम्मीद होगी कि क्विंटन डिकॉक, रीजा हैंड्रिक्स, कप्तान एडेन मार्कराम और ट्रिस्टन स्टब्स की मौजूदगी वाला उसका शीर्ष क्रम सुपर आठ चरण से पहले लय हासिल करने में सफल रहेगा।

अन्य मुकाबले

सुपर 8 की दौड़ से बाहर हुई कीवी टीम का युगांडा से भिड़ंत

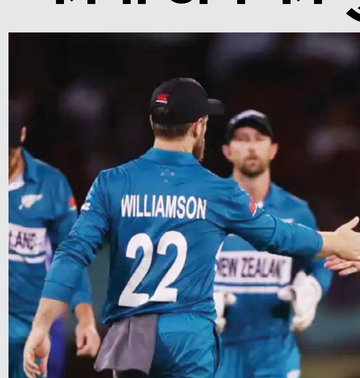

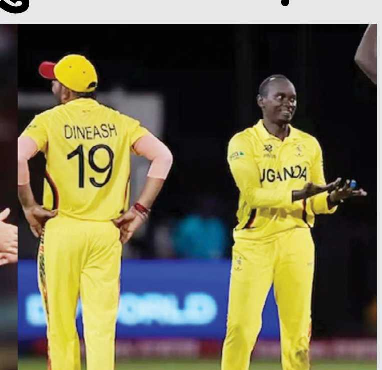

तारोबा। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में टी20 विश्व कप 2024 खेला जा रहा है। इस टूर्नामेंट में 15 जून शनिवार को न्यूजीलैंड और युगांडा के बीच मुकाबला खेला जाना है। इस मैच में न्यूजीलैंड अपनी साख बचाने के लिए खेलेगी, क्योंकि टीम पहले ही सुपर 8 से बाहर हो चुकी है। न्यूजीलैंड की टीम अब युगांडा के खिलाफ होने वाले ग्रुप सी के तीसरे मुकाबले में जीत की उम्मीद लगाए होगी। अफगानिस्तान ने यहां पापुआ न्यू गिनी पर जीत से न्यूजीलैंड को ग्रुप से सुपर आठ की दौड़ से बाहर कर दिया। अब ग्रुप में न्यूजीलैंड के दो मैच बचे हैं जिनके नतीजा मायने नहीं रखेगा। न्यूजीलैंड की टीम एक दशक में पहली बार विश्व कप (वनडे और टी20 प्रारूप) के ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में विफल रही। अब उम्रदराज खिलाड़ियों से भरी न्यूजीलैंड की टीम उम्मीद करेगी कि वह नयी टीम युगांडा और पापुआ न्यू गिनी पर जीत दर्ज कर स्वदेश लौटे।

न्यूजीलैंड बनाम युगांडा

इंग्लैंड बनाम नामीबिया

इंग्लैंड को नामीबिया से जीतना होगा यह मुकाबला, खेले हैं 3 मुकाबले

एंटीगा। टी-20 विश्व कप 2024 के 34वें मुकाबले में नामीबिया का सामना इंग्लैंड क्रिकेट टीम से होगा। टी-20 में पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। सुपर-8 में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड को यह मुकाबला जीतना होगा। अब तक उन्होंने 3 मुकाबले खेले हैं। 1 मैच रद्द हुआ है। 1 में उन्हें जीत और 1 में हार मिली है। नामीबिया को 3 में से सिर्फ 1 मैच में जीत मिली है। इंग्लैंड ने अपने पिछले मुकाबले में ओमान क्रिकेट टीम के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की थी। ऐसे में वह अपने प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं करना चाहेंगे। जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड एक बार फिर अपनी घातक गेंदबाजी से विपक्षी टीम को परेशानी में डालना चाहेंगे।

बल्लेबाजी में फिलिप सॉल्ट से उम्मीदें होंगी। नामीबिया को अगर इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो गेरहार्ड इरास्मस और डेविड विसे को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर ये दोनों खिलाड़ी अच्छा करते हैं तभी नामीबिया इंग्लैंड को टक्कर दे सकती है। इनके अलावा निकोलस डेविन और माइकल वैन लिंगेन से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी।

12 जुलाई को 'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' हो रही रिलीज़

शरद केलकर ने की घोषणा, मिला सेंसर सर्टिफिकेट

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। गौरतलब है कि इस फ़िल्म का टीज़र आते ही मीडिया में चर्चा शुरू हो गई थी। सेंसर को लेकर कई प्रकार की बाधाओं की वजह से भी फ़िल्म सुर्खियों में रही है। सेंसर बोर्ड ने कई स्टेज पर परीक्षण करने के लिए निर्माताओं को लंबा इन्तेजार करवाया। लेकिन अब मेकर्स ने राहत की सांस ली है कि फ़िल्म को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है और 12 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है।

शरद केलकर ने रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया

बॉलीवुड ऐक्टर शरद केलकर ने फ़िल्म गोधरा की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया है। उनकी जानदार आवाज में फ़िल्म का नया टीज़र बनाया गया है। शरद केलकर अपनी वॉइस में दर्शकों से गोधरा की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए फ़िल्म देखने की अपील कर रहे हैं।

"गोधरा के निर्देशक के रूप में मेरा लक्ष्य हमेशा घटना के पीछे की सच्चाई पर प्रकाश डालना रहा है। मैंने इस फिल्म में दर्शकों के सामने गोधरा कांड की जटिलता और गहराई को उकेरने का प्रयास किया है।' शिवाक्ष ने इस संवेदनशील और ऐतिहासिक घटना को बखूबी पर्दे पर उतारा है, जिससे दर्शक एक गहरी और विचारोत्तेजक यात्रा पर निकलेंगे।

- एम.के. शिवाक्ष, निर्देशक

हमने गोधरा की नई रिलीज डेट को अंतिम रूप देने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि फिल्म सही समय पर और सही तरीके से दर्शकों तक पहुंचे। 'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' एक गहन और विचारोत्तेजक फिल्म है जो भयावह ट्रेन हमले की गहराई से जांच करती है, साथ ही इसमें शानदार छायांकन और संवाद भी हैं। यह फिल्म दर्शकों को उस दुखद अतीत पर सोचने के लिए प्रेरित करती है जो आज भी लोगों के मन में गूंजता है

- बी.जे. पुरोहित गोधरा, निर्माता

इंटरनेट पर मचाया धूम

'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' के पहले टीज़र ने इंटरनेट पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। गोधरा लंबे समय से चली आ रही कहानियों और धारणाओं को चुनौती देते हुए, घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करने का वादा करती है। ओम त्रिनेत्र फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में रणवीर शौरी, मनोज जोशी, हितू कनोडिया, डेनिशा घुमरा, अक्षिता नामदेव, गणेश यादव और राजीव सुरती जैसे कई शानदार कलाकार हैं।

नानावती मेहता आयोग की रिपोर्ट पर आधारित है यह फ़िल्म

यह फ़िल्म नानावती मेहता आयोग की रिपोर्ट पर आधारित है, जिसे घटना की जांच का काम सौंपा गया था।

एक सच्चे हीरो के संघर्ष की सुनहरी कहानी है 'चंदू चैंपियन'

फिल्म : चंदू चैंपियन
डायरेक्टर : कबीर खान
ऐक्टर: कार्तिक आर्यन,भुवन अरोड़ा श्रेयस तलपड़े,विजयराज,यशपाल सिंह सोनाली कुलकर्णी,राजपाल यादव
रेटिंग: 3/5

लोकेश चंद्रा

फिल्म से पहले कम ही लोग जानते होंगे कि भारत को पैरालंपिक में गोल्ड मेडल दिलाने वाला असल जिंदगी के हीरो महाराष्ट्र के सांगली के एक गांव में रहते है। दुनिया के मानचित्र पर भारत का नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित होने के बाद निर्देशक अंधेरे में खोये नायक को प्रकाश में लाकर उनके काम को सलाम करने का काम कर रहे हैं। 'चंदू चैंपियन' देश के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है। कबीर खान निर्देशित 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक आर्यन भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर की कभी हार न मानने वाली कहानी लेकर आए हैं।

क्या है कहानी

ये फिल्म एक ऐसे हीरो की कहानी है, जिसने देश के लिए इतना कुछ किया लेकिन उसे भुला दिया गया। सालों बाद जब वो अपने लिए अर्जुन अवॉर्ड की अर्जी देने जाता है तो उसकी कहानी के बारे में सरकार और देश को पता चलता है। ये कहानी है एक ऐसे हीरो की, जिसने बचपन से सिर्फ एक ही सपना देखा-गोल्ड मेडल जीतने का। मुरली के रास्ते में कई रुकावटें आईं लेकिन वो हर रुकावट को पार करता चला गया और अंत में अपने सपने को जीत गया। मुरली का भगवान से भी लव-हेट रिलेशनशिप दिखाया है। वह तब बच गया जब उसे उम्मीद नहीं थी कि वह बच जाएगा और जब उसे अपनी बर्बादी की कम से कम उम्मीद थी, तब वह तबाह हो गया। हालांकि, उसने कभी हार नहीं मानी। कहानी का पहला हाफ मस्ती से भरपूर है। आपको कई जगहों पर हंसी आएगी मुरली और जरनैल की दोस्ती भी खूब गुदगुदाएगी। पहले हाफ में मुरली का भी एक अलग अंदाज देखने को मिलता है। लेकिन दूसरे हाफ में कहानी बिलकुल बदल जाती है। हंसता-खिलखिलाता मुरली अब खुद की पहचान के लिए जंग लड़ता हुआ दिखाई देता है। अपने सपने के लिए जान की बाजी लगाने को तैयार दिखता है।

कैसी है एक्टिंग

फिल्म के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन ने इस फिल्म के लिए जी-तोड़ मेहनत की है और ये इस फिल्म को देखकर साफ पता लग रहा है। उन्होंने अपने शरीर में भारी शारीरिक बदलाव किए हैं। उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग की है और साथ ही मुरलीकांत पेटकर के कैरेक्टर को जीया है। फिल्म में मुरली के दोस्त जनरैल सिंह (भुवन अरोड़ा) ने भी बेहतरीन काम किया है, वो हर मौके पर मुरली का साथ देते नजर आए हैं। इस फिल्म में जिसने चंदू की जर्नी को मुकाम तक पहुंचाने का काम किया है तो वो है- टाइगर अली, जिसका रोल निभाया है विजय राज ने। उन्होंने एक स्ट्रिक्ट ट्रेनर का रोल किया है और वो अपने किरदार में बिलकुल फिट बैठे हैं। फिल्म में श्रेयस तलपड़े, राजपाल यादव, यशपाल शर्मा और सोनाली कुलकर्णी भी हैं, जिन्होंने अपने रोल के साथ जस्टिस किया है।

कैसा है डायरेक्शन

अगर इस फिल्म वन ऑफ द बेस्ट बायोपिक कहें तो गलत नहीं होगा। लेकिन फिल्म देखते हुए आपको लगेगा कि आप भाग मिल्खा भाग और फॉरेस्ट गंप देख रहे हैं। लेकिन इंटरवल के बाद की कहानी कबीर खान के परफेक्शन और उनके जादू को बखूबी दिखाती है।

फाइनल रिव्यू

अगर आप स्पोर्ट्स लवर हैं और ऐसी कहानियां आपके मन में जज्बा भर देती हैं तो आपको ये फिल्म जरूर देखनी चाहिए। इस फिल्म में कार्तिक ने बेहतरीन काम किया और एक्टिंग के मामले में भी वो कुछ अलग करते नजर आए हैं। लेकिन म्यूजिक के मामले में आपको थोड़ी निराशा मिल सकती है। फिल्म जितनी दमदार है उसके गाने इतने शानदार नहीं हैं।

दो बजे दोपहर
शनिवार, 15 जून 2024

भारतीय सेना को मिला पहला सुसाइड ड्रोन, 30 KM रेंज

2 किलो विस्फोटक लेकर उड़ सकता है, पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर तैनाती होगी

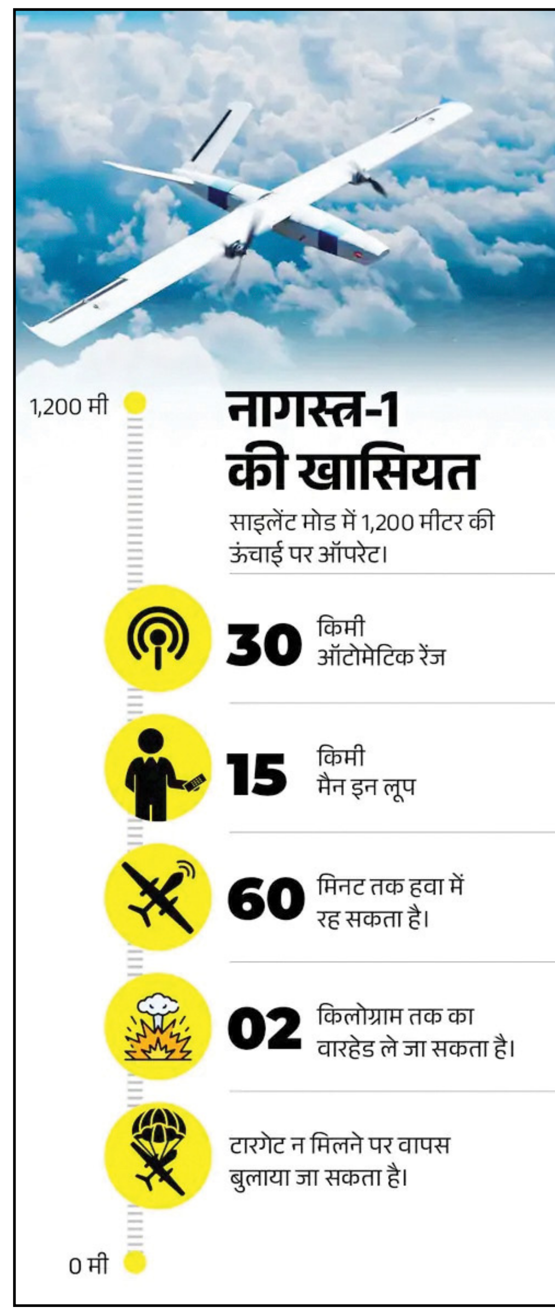

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन आर्मी को भारत में बने आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र-1 की पहली खेप मिल गई है। इन ड्रोन्स को नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड यूनिट ने बनाया है। सेना ने 480 लॉइटरिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) का ऑर्डर दिया था। इनमें से 120 की डिलीवरी कर दी गई है। ड्रोन को नागस्त्र-1 नाम दिया गया है, जिसकी रेंज 30 किमी तक है। इसका एडवांस वर्जन दो किलो से ज्यादा गोला-बारूद ले जाने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप, ठिकानों और लॉन्च पैड पर हमला करने के लिए किया जाएगा, ताकि सैनिकों का जोखिम कम से कम हो।

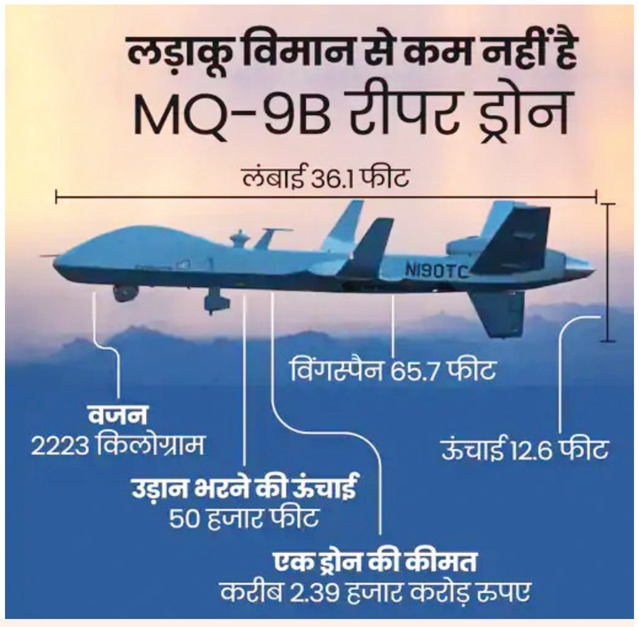

क्या होता है आत्मघाती ड्रोन, नागस्त्र-1 कैसे काम करेगा

लॉइटरिंग म्यूनिशन (जिसे आत्मघाती ड्रोन या कामिकेज ड्रोन भी कहा जाता है) एक एरियल वैपन सिस्टम है। ये ड्रोन हवा में टारगेट के आसपास घूमते हैं और आत्मघाती हमला करते हैं। सटीक हमला इसके सेंसर पर निर्भर करता है। आत्मघाती ड्रोन को साइलेंट मोड में और 1,200 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेट किया जाता है, जिससे इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसका वजन 12 किलोग्राम है और यह 2 किलो का वारहेड ले जा सकता है। ये ड्रोन एक उड़ान में 60 मिनट तक हवा में रह सकते हैं। अगर टारगेट न मिले तो यह वापस भी आ जाएगा। पैराशूट के जरिए इसकी सॉफ्ट लैंडिंग करा सकते हैं।

अमेरिका से आएंगे 31 MQ-9B ड्रोन्स, चार महीने पहले डील हुई थी

चार महीने पहले अमेरिका ने भारत को 31 MQ-9B ड्रोन्स देने का फैसला किया था। इनकी कीमत करीब 3 .99 अरब डॉलर (करीब 33 हजार करोड़) है। इन ड्रोन्स को चीन के साथ लगने वाली लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) और भारत की समुद्री सीमा में सर्विलांस और सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह ड्रोन करीब 35 घंटे हवा में रह सकता है। यह पूरी तरह से रिमोट कंट्रोल से ऑपरेट होता है। पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान इस डील का ऐलान किया गया था।

LAC बॉर्डर पर चीन की हर चालाकी की निगरानी करेगा MQ-9B

- भारत थल, जल और वायु तीनों सेना के बेड़े में MQ-9B ड्रोन को तैनात करना चाहता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है। कंपनी का कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है। - इस ड्रोन के दो वैरिएंट स्काई गार्डियन और सिबलिंग सी गार्डियन हैं। भारत यह ड्रोन दो वजहों से खरीदना चाह रहा है। पहली- LAC से लगे इलाके में चीन को भनक लगे बिना निगरानी करने के लिए। दूसरा- साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के लिए।

न्यूज़ ब्रीफ

नक्सलियों के स्नाईपर जैकेट, भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामान बरामद

तसुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक कार्रवाई में नक्सलियों के स्नाईपर जैकेट, बड़ी संख्या में विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को एक नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि दल जब गुरुवार सुबह कंगालतोंग के जंगल में था तब सुरक्षाबलों को देखकर नक्सली वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि जब सुरक्षाबलों ने जंगल में तलाशी अभियान चलाया तब वहां नक्सलियों का एक डंप (सामान रखने का स्थान) मिला। सुरक्षाबलों ने 'डंप' से तीन स्नाईपर जैकेट सेट (एक प्रकार की वर्दी), भारी मात्रा में विस्फोटक, कारतूस और अन्य समान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि स्नाईपर जैकेट का इस्तेमाल हमला करने के दौरान छुपाव बनाने के लिए किया जाता है। राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार स्नाईपर जैकेट सेट बरामद किया गया है।

कोलकाता के शॉपिंग मॉल में भीषण आग

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक शॉपिंग मॉल की तीसरी मंजिल पर शुक्रवार को भीषण आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों को इमारत खाली करानी पड़ी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कस्बा इलाके में स्थित मॉल में दोपहर 12 बजकर करीब 15 मिनट पर लगी आग को बुझाने के लिए 10 दमकल वाहनों को भेजा गया। अधिकारी ने बताया, फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अभियान जारी है। कुछ अग्निशमन कर्मी ऑक्सीजन मास्क पहनकर इमारत में दाखिल हुए हैं। कोलकाता यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूरा इलाका धुएं से भर गया है और मॉल के सामने यातायात नियंत्रित कर दिया गया है।

राज कुमार आनंद की चली गई विधायकी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे राज कुमार आनंद की विधायकी चली गई है। स्पीकर राम निवास गोयल ने बताया कि आनंद को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया है। राज कुमार आनंद ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल हो गए थे।

दलाई लामा से मिलेगा अमेरिकी शिष्टमंडल

नई दिल्ली। यूएस हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल और पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी अगले सप्ताह अमेरिकी सांसदों के शिष्टमंडल के साथ भारत आने वाले हैं। अमेरिकी सांसद यहां धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिकी शिष्टमंडल 18 और 19 जून को धर्मशाला में रहेगा और इसमें अमेरिका के दोनों राजनीतिक दलों के सांसद होंगे।

आबकारी घोटाला मामला

आप कार्यकर्ता रयात की जमानत याचिका

▶▶ दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवक चनप्रीत सिंह रयात की जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। इस मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी।

पिछले साल 12 अप्रैल को हुई थी गिरफ्तारी

जस्टिस अमित शर्मा की अवकाश पीठ ने रयात की नियमित जमानत की याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस जारी किया और एजेंसी से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ईडी ने रयात को पिछले साल 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया था, रयात पर 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान के लिए नकद भुगतान का इंतजाम करने का आरोप है। आरोपों के मुताबिक बीआरएस नेता के कविता, टीडीपी के ओंगोल सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी और उनके बेटे राघव मगुंटा, बिजनेसमैन सरथ चंद्र रेड्डी और अन्य लोगों के 'साउथ ग्रुप' ने अब खत्म हो चुकी 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति के तहत दिल्ली शराब बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के लिए आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपए की रिश्वत दी थी। ईडी का दावा किया है कि इस कथित रिश्वत में से 45 करोड़ रुपए का इस्तेमाल AAP ने अपने गोवा चुनाव अभियान के लिए किया था। दिल्ली के उपराज्यपाल ने इस आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो को जांच का आदेश देने के बाद 2022 में इस नीति को खत्म कर दिया था।

फणी भूषण चौधरी ने विधानसभा से दिया इस्तीफा

गुवाहाटी। असम में सबसे लंबे समय तक विधायक रहे एजीपी के फणी भूषण चौधरी ने लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद शुक्रवार को विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बरपेटा लोकसभा सीट से जीत दर्ज की है। चौधरी ने पार्टी प्रमुख अतुल बोरा और राज्यसभा सांसद बीरेंद्र प्रसाद बैश्य सहित एजीपी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में स्पीकर बिस्वजीत दैमारी को अपना इस्तीफा सौंपा। फणी भूषण चौधरी 1985 से लगातार बोंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और 1996 से 2001 तक दूसरी एजीपी सरकार के दौरान मंत्री थे। वह 2016 से 2021 तक भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में भी मंत्री रहे। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में लोकसभा चुनाव में जीत का स्वाद चखा। 2014 का चुनाव उन्होंने असफल रूप से लड़ा था, जब एजीपी का किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन नहीं था।

राजकोट अग्निकांड

गेम जोन का सह-मालिक गिरफ्तार

▶▶ गेम जोन में आग लगने से 27 लोगों की हुई थी मौत

एजेंसी । राजकोट

गुजरात पुलिस ने राजकोट गेम जोन के सह-मालिक को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। शुक्रवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले महीने गेम जोन में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि टीआरपी गेम जोन के छह मालिकों में से एक अशोक सिंह जडेजा ने गुरुवार शाम को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। जिस जमीन पर गेम जोन बना था, जडेजा उसका मालिक है। वह 25 मई को गुजरात के राजकोट शहर में आग लगने के बाद से फरार था। राजकोट पुलिस आयुक्त ब्रजेश कुमार झा ने शुक्रवार को जडेजा के आत्मसमर्पण करने की पुष्टि की। पुलिस ने इससे पहले गेम जोन के पांच सह-मालिकों और एक प्रबंधक को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने राजकोट के टाउन प्लानिंग ऑफिसर (टीपीओ) एम डी सागथिया, सहायक टीपीओ मुकेश मकवाना व गौतम जोशी और कलावड रोड अग्निशमन केंद्र के पूर्व स्टेशन अधिकारी रोहित विगोरा सहित चार सरकारी अधिकारियों को भी हिरासत में लिया। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि सह-मालिकों में से एक प्रकाश हिरेन की आग में झुलसकर मौत हो गई थी क्योंकि जब गेम जोन में आग लगी तब वह अंदर ही मौजूद था। प्रकाश हिरेन का नाम प्राथमिकी में दर्ज था और वह अग्निकांड के बाद से लापता था।

NEET पेपर लीक : सुप्रीम कोर्ट का NTA को नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 14 जून को NEET UG पेपर लीक और इसकी CBI जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि NTA दो हफ्तों के अंदर इस पर अपना पक्ष रखे। इस मामले पर 8 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

पिटीशनर हितेश सिंह कश्यप का आरोप है कि गुजरात के गोधरा में जय जल राम परीक्षा सेंटर को चुनने के लिए कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड आदि राज्यों में 26 छात्रों ने 10-10 लाख रुपए घूस दी थी। कश्यप ने कहा कि इस सेंटर पर ड्यूटी दे रहे टीचर सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार टीचर के पास से सभी 26 छात्रों की डीटेल मिली है। इसलिए इस मामले की CBI जांच जरूरी है। वहीं, कुछ स्टूडेंट्स और पेरेंट्स ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। प्रधान ने भरोसा

दिया कि जांच में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। सरकार पारदर्शी प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। कोर्ट के सामने पारदर्शिता से बात रखेंगे। कोर्ट जो भी आदेश देगा, उसका पालन करेंगे।उन्होंने कहा कि परीक्षा अच्छी हुई है, एक-दो जगह की घटना सामने आई है, इसकी इन्क्वायरी चल रही है। ये सब कोर्ट के संज्ञान में है। कोर्ट जो भी कहेगा, हम करेंगे।

प्रधान बोले- कोर्ट जो भी कहेगा, हम करेंगे

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि हमने कुछ स्टूडेंट्स को बुलाया था, उनके पेरेंट्स से भी मिला। मैंने उनको आश्वस्त किया है कि सरकार पारदर्शी प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। 24 लाख एप्लीकेंट्स थे, 23 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। स्टूडेंट्स की कुछ शंकाएं सामने आई थीं। प्रधान ने कहा कि 6 सेंटरों पर गड़बड़ियों बात भी सामने आई। ग्रेस मार्क्स को लेकर भी आपत्ति आई है। कल ही सुप्रीम कोर्ट ने 1500 से ज्यादा स्टूडेंट्स को दोबारा एग्जाम देने का बोल दिया है। NEET को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स में 41 पिटीशन लगी हैं।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से 6 की मौत, कई लापता

पर्यटन स्थलों पर 2 हजार से ज्यादा लोग फंसे, 12 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के उत्तरी राज्यों में हीटवेव और तेज गर्मी का दौर लगातार जारी है। दूसरी ओर नॉर्थ-ईस्ट में भारी बारिश देखने को मिल रही है। पिछले तीन दिन से जारी बारिश के चलते सिक्किम में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। जगह-जगह लैंडस्लाइड और बाढ़ में सैकड़ों घर और कई सड़कें बह गईं।

सबसे ज्यादा तबाही सिक्किम के मंगन जिले में हुई है। यहां गुरुवार (13 जून) को एक दिन में 220 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे पिछले साल बना संगकालांग ब्रिज ढह गया, जिससे गुरुडोंगमार झील और युनथांग घाटी जैसे पर्यटन स्थलों के लिए मशहूर मंगन जिले के जोंगु, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग जैसे शहर देश के बाकी हिस्सों से कट गए हैं। राहत-बचाव में जुटे डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों ने बताया कि लाचुंग और चुंगथांग में करीब 2 हजार पर्यटक फंसे हैं। इन्हें अब हेलिकॉप्टर से ही रेस्क्यू किया जा सकता है, लेकिन खराब मौसम में हेलिकॉप्टर का उड़ पाना मुमकिन नहीं है। फिलहाल, पर्यटक जहां फंसे हैं, उन्हें वहीं रहने को कहा गया है। सिक्किम में तीस्ता नदी भी उफान पर है, जिससे सिंगताम शहर के निचले इलाकों में रहने वाले लोग प्रभावित हो सकते हैं।

रिपोर्ट ग्रीनपीस और नेशनल हॉकर फाउंडेशन ने मिलकर तैयार की रिपोर्ट

स्ट्रीट वेंडर की रोजी-रोटी पर बुरा असर डाल रही है लू

एजेंसी । नई दिल्ली

उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लू के दिनों की संख्या इस बार दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव ऐसे लोगों पर पड़ा है जो सड़कों के किनारे अपना रोजगार चलाते हैं। हाल में ही किए गए एक अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में 49 फीसदी स्ट्रीट वेंडरों का कहना है कि लू के चलते उनकी आय में कमी हुई है। यह रिपोर्ट ग्रीनपीस और नेशनल हॉकर फाउंडेशन ने मिलकर तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार 49.27% स्ट्रीट वेंडर उत्तरदाताओं ने लू के दौरान आय में कमी का अनुभव किया। इनमें से 80.08% स्ट्रीट वेंडरों ने ग्राहकों की संख्या में गिरावट को स्वीकार किया। 50.86% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें अतिरिक्त घरेलू खर्चों के कारण अधिक वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ा, जिसमें अत्यधिक गर्मी के महीनों के दौरान औसतन अतिरिक्त खर्च 4,896.52 रुपये था।

महिला स्ट्रीट वेंडरों के स्वास्थ्य पर गर्मी का नकारात्मक असर पड़ा

आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि भीषण गर्मी के कारण महिलाएं और हाशिये पर रहने वाले अन्य समूह गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। 8 में से 7 महिला स्ट्रीट वेंडर उत्तरदाताओं ने उच्च रक्तचाप का अनुभव किया और कई मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं ने गर्मी के कारण मासिक धर्म चक्र में रुकावट की सूचना दी। यह रिपोर्ट करीब 700 स्ट्रीट वेंडर से बातचीत करके तैयार की गई है।

लू से निपटने के लिए कोई मार्गदर्शन नहीं मिला

'लू का कहर' रिपोर्ट संभवत: पहला ऐसा अध्ययन है जो दिल्ली में स्ट्रीट वेंडर्स पर लू के दुष्प्रभाव को उजागर करती है। इस अध्ययन में स्वास्थ्य जोखिम, आजीविका की चुनौतियां और अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि 82 .74% विक्रेताओं को लू से निपटने के लिए कोई मार्गदर्शन नहीं मिला है। 71 .05% उत्तरदाताओं ने माना कि आपात स्थितियों के दौरान चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में वे संघर्ष करते हैं।

धूप में काम करने वाले श्रमिकों की स्वास्थ्य चुनौतियां अधिक

ग्रीनपीस इंडिया की कैंपेनर सेलोमी गरनाइक कहती हैं कि बाहरी श्रमिक जो धूप में काम करते हैं, उन्हें गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का अधिक सामना करना पड़ता है। हम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से आग्रह करते हैं कि वे लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें, जिससे अनुकूलन, शमन और राहत के लिए उचित धन की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। वर्तमान में गर्मी एक्शन प्लान केवल सलाह के स्तर पर है। इसे प्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त फंड और कानूनी जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है। 1992 और 2015 के बीच के डेटा के अनुसार, लू और अत्यधिक तापमान के कारण पूरे देश में 24,223 मौतें हुईं। दिल्ली को भारत के सबसे गर्म शहरों में एक माना जाता है। यहां बड़ी आबादी निम्न-आय समूहों से जुड़ी है। ऐसे लोग लू के प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

रणेंद्र प्रताप स्वैन ने ली ओडिशा विस के अस्थाई अध्यक्ष पद की शपथ

एजेंसी । भुवनेश्वर

ओडिशा के आठ बार के विधायक रणेंद्र प्रताप स्वैन को शुक्रवार को राज्यपाल रघुबर दास ने विधानसभा के अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) पद की शपथ दिलाई। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी स्वैन के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राजभवन में मौजूद थे। स्वैन ने कहा, मुख्यमंत्री की सिफारिश पर मुझे विधानसभा का अस्थाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पूर्व मंत्री और कटक जिले के अथागढ़ सीट से विधायक स्वैन 20 जून को ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए चुनाव कराएंगे। स्वैन ने कहा कि विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को 18 और 19 जून को अस्थाई अध्यक्ष द्वारा शपथ दिलाई जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता सुरमा पाढ़ी को ओडिशा विधानसभा का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।